mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-198 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
18 जुलाई 2024 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

भारत का गोल्डन...
@ पेज 7

सीएम सैनी ने घोषणा की: हरियाणा की सरकारी नौकरियों में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण

बिना ब्याज के 5 लाख रुपए तक लोन भी देगी सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अग्निवीरों को राज्य की सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया है। ष्टरूसैनी ने कहा कि हमारी सरकार हरियाणा में अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल, माइनिंग गार्ड, फॉरेस्ट गार्ड, जेल वार्डन और एसपीओ की सीधी भर्ती में 10 फीसदी आरक्षण देगी।

सीएम सैनी ने कहा कि हमने इन अग्निवीरों को ग्रुप डी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयु में 3 साल की छूट देने का भी फैसला किया है। पहले बैच के मामले में आयु में यह छूट 5 साल की होगी। सरकार ग्रुप-सी में सिविल पदों में सीधी भर्ती में अग्निवीरों के लिए 5 फीसदी आरक्षण और ग्रुप डी में एक फीसदी आरक्षण देगी।

प्राइवेट औद्योगिक इकाइयों को सब्सिडी- ष्टरूसैनी ने कहा कि अगर कोई औद्योगिक इकाई प्रतिमाह 30 हजार रुपए से ज्यादा वेतन देती है तो हरियाणा सरकार उस औद्योगिक इकाई को 60 हजार रुपए वर्ष की सब्सिडी देगी। इसके साथ ही राज्य सरकार ने ग्रुप सी पदों पर भर्ती में अग्निवीर के लिए 5 फीसदी आरक्षण की घोषणा की है।

खुद का काम शुरू करने में भी मदद- सीएम सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार अग्निवीरों को अपना काम शुरू करने में भी मदद देगी। इसके लिए सरकार ने फैसला किया है कि जो अग्निवीर अपना काम करना चाहते हैं, उन्हें बिना ब्याज लोन दिया जाएगा।

सिद्धारमैया ने कर्नाटक में 100 प्रतिशत कोटा बिल पर पोस्ट हटाई

श्रम मंत्री की सफाई- यह 50 प्रतिशत और 70प्रतिशत है; कई कंपनियां रिजर्वेशन के विरोध में

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों में ग्रुप सी और डी में स्थानीय लोगों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला विवादों में घिर गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 16 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने सोशल मीडिया पर 100 प्रतिशत कोटा बिल को लेकर की गई पोस्ट हटा ली। सीएम के पोस्ट डिलीट करने पर राज्य के लेबर मिनिस्टर संतोष लाड ने बुधवार को सफाई दी- कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों की नौकरियों में नॉन-मैनेजमेंट पोस्ट के लिए रिजर्वेशन 70 प्रतिशत और मैनेजमेंट लेवल के स्टाफ के लिए 50 प्रतिशत तक सीमित है।

संक्षिप्त समाचार

शराबबंदी वाले बिहार में फिर जहरीली शराब से एक की मौत

पांच गंभीर, जांच शुरू

समस्तीपुर (एजेंसी)। समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में जहरीली शराब के सेवन से एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके पांच अन्य मित्र बीमार हो गये हैं। सभी लोगों का उपचार पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मृतकी पहचान स्वर्गीय सुरेंद्र राय के पुत्र

विक्की कुमार (25) के रूप में की गई है। बुधवार तीसरे पहर विक्की का शव पटना से गांव आते ही पारिवारिक लोगों के बीच कोलाहल मच गया। हालांकि इस मुद्दे पर परिवार के लोग उतना खुलकर नहीं बोल रहे हैं लेकिन लोगों का कहना है कि सोमवार को मुर्गी फॉर्म पर मीत और शराब की पार्टी हुई थी, जिसमें विक्की सहित गांव के ही 5 अन्य युवक शामिल हुए थे।

सबका साथ, सबका विकास की जरूरत नहीं: शुभेंदु अधिकारी

- कहा- भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार (17 जुलाई) को कहा, 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब हम यह नहीं कहेंगे। अब हम कहेंगे %जो हमारा साथ, हम उनके साथ...' सबका साथ, सबका विकास कहना बंद करो'।

पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में बोले, भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा की भी जरूरत नहीं है। हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था। शुभेंदु ने कुछ घंटे बाद सफाई दी, पीएम के बयान से कोई लेना-देना नहीं।

दुबई की प्रिंसेस ने पति को तीन तलाक दिया

- इंस्टाग्राम पर लिखा- आप दूसरों के साथ व्यस्त, मैं आपको तलाक देती हूं

दुबई (एजेंसी)। दुबई के शासक मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की बेटी शेखा माहरा बिन्त ने अपने पति शेख माना को तीन तलाक दे दिया है। माहरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अंग्रेजी में पोस्ट करते हुए लिखा कि आप दूसरे लोगों के साथ व्यस्त है। मैं हमारे तलाक का ऐलान करती हूं। अपना ध्यान रखिए, आपकी पूर्व पत्नी माहरा ने अपने पति शेख माना को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो भी कर दिया है। इसके अलावा माहरा ने पति के साथ पोस्ट की सारी तस्वीरों को भी हटा लिया है।

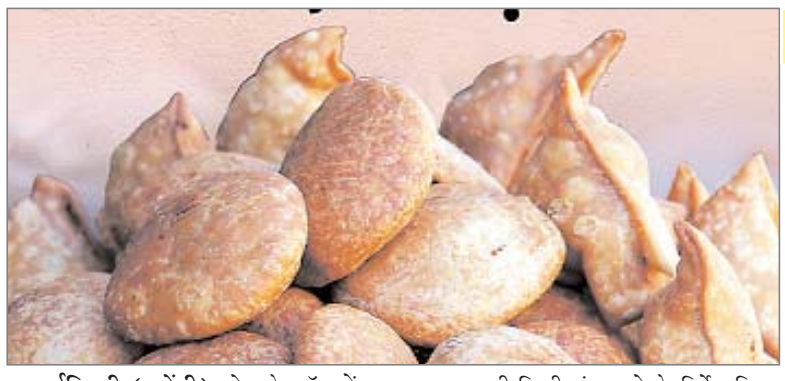

कॉलेज कैंटीन में नहीं मिलेंगे समोसा कचौरी जैसे अनहेल्दी फूड आइटम्स

यूजीसी ने जारी किए दिशा-निर्देश

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश के कॉलजों में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ते हैं। ऐसे में छात्रों की सुविधा के लिए कॉलेजों में कैंटीन भी खुली रहती है। अगर आप भी कॉलेज कैंटीन से खाना खाते हैं, तो यह खबर आपके लिए ही है। दरअसल, यूजीसी ने हाल ही में विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों की कैंटीन में मिलने वाले खाने को लेकर एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में अनहेल्दी फूड आइटम्स की बिक्री बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस नोटिस के बाद, जल्द ही आपको अपने कॉलेड की कैंटीन में समोसा, नूडल्स, ब्रेड पकौडा आदि जैसे कई अनहेल्दी फूड आइटम्स खाने को नहीं मिलेंगे। यूजीसी ने नोटिस में निर्देश दिया है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में संचालित हो रहे कैंटीन द्वारा अब सिर्फ हेल्दी फूड ही परोसे जाएंगे।

आधिकारिक नोटिस के अनुसार, जैसा कि आप जानते हैं, नेशनल एडवोकेसी इन पब्लिक इंटरेस्ट (एनएपी7) पोषण पर एक राष्ट्रीय थिंक टैंक है, जिसमें महामारी विज्ञान, मानव पोषण, सामुदायिक पोषण और बाल चिकित्सा, चिकित्सा शिक्षा, प्रशासन, सामाजिक कार्य और प्रबंधन में स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल हैं। बढ़ते मोटापे, मधुमेह और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) पर चिंतित, सामान्य एनसीडी (2017-2022) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय बहु-क्षेत्रीय कार्य योजना (एनएमएपी) के त्वरित कार्यान्वयन के लिए एनएपी ने शैक्षणिक संस्थानों में अनहेल्दी फूड की बिक्री पर रोक लगाने और कैंटीनों में स्वस्थ भोजन विकल्पों को बढ़ावा देने का अनुरोध किया है।

यूजीसी पहले भी जारी कर चुका है एडवाइजरी

नोटिस में यूजीसी ने कहा है कि इस सम्बन्ध में उच्च शिक्षा संस्थानों को पहले भी, 10 नवंबर 2016 और 21 अगस्त 2018, एडवाइजरी जारी जा चुकी है। इस क्रम में संस्थानों को एक बार फिर से चेताया जाता है कि वे अपनी कैंटीन में अनहेल्दी फूड की बिक्री पर रोक लगाएं और सिर्फ हेल्दी फूड ही परोसे जाने को बढ़ावा दें। ऐसा करके हम गैर-संचारी रोगों की लगातार बढ़ रही महामारी पर रोक लगाने में सक्षम हो सकेंगे।

उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पीएम को दी खींचतान की रिपोर्ट

सीएम योगी राजभवन पहुंचे, केशव के बगावती तेवर के बाद सियासी हलचल बढ़ी

लखनऊ (एजेंसी)। केशव मौर्य के लगातार बगावती तेवर के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बुधवार शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच मौजूदा खींचतान की रिपोर्ट दी।

इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात करने राजभवन पहुंच गए हैं। हालांकि इसे शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। इससे पहले योगी ने यूपी में दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उप-चुनाव को लेकर मंत्रियों के साथ बैठक की। लोकसभा चुनाव में भाजपा को हुए सीटों के तगड़े नुकसान के बाद से ही खींचतान देखी जा रही है। भाजपा और सहयोगी पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। पिछड़ों के सबसे बड़े नेता केशव मौर्य लगातार योगी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। वह बार-बार कह रहे हैं कि कार्यकर्ता और संगठन सरकार से बड़ा है।

सीएम योगी की मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ बैठक खत्म

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां अपने आवास पर मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ बैठक की

जिसमें आगामी विधानसभा उपचुनाव और राज्य के कई हिस्सों में आई बाढ़ जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक में उप्र के सभी कैबिनेट मंत्री और राज्य मंत्री मौजूद थे। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पत्रकारों को बताया कि बाढ़, विकास कार्यों और आगामी चुनावों पर चर्चा हुई। पिछले एक पखवाड़े में राज्य के 17 जिलों के 700 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

आगामी चुनावों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी बैठक: वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

मिली जानकारी के मुताबिक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि बैठक विशेष रूप से आगामी चुनावों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी और हम उन सभी 10 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करेंगे जहां उपचुनाव होने हैं। प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों... कटेहरी (अंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मिल्कीपुर (अयोध्या), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) पर उपचुनाव होने हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के कन्नौज से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद करहल (मैनपुरी) विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया।

मिशन इंद्रधनुष को लेकर बोले खरगे

सरकार ने लाखों बच्चों का टीकाकरण न करके बहुत बड़ा पाप किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'मिशन इंद्रधनुष' कार्यक्रम के तहत टीकाकरण करने में कथित विफलता के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'पीएम केयर्स केवल दिखावे के लिए है।' इसे गंभीर पाप बताते हुए राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि 2023 में 16 लाख बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (डीटीपी) और खसरे के प्रमुख टीके उपलब्ध नहीं कराए गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कोविड महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों की सहायता के लिए लगभग

आधे आवेदनों को पीएम केयर्स फंड द्वारा बिना कोई कारण बताए खारिज कर दिया गया।

पीएम मोदी ने बहुत बड़ा पाप किया

एक्स पर एक पोस्ट में खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई टीकाकरण में भारत की मजबूत नींव को बर्बाद कर रही है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर लिखा, मोदी सरकार ने लाखों बच्चों का टीकाकरण न करके बहुत बड़ा पाप किया है। टीकाकरण की उपेक्षा का मतलब है बहुमूल्य जीवन की हानि।

ओमान के पास तेल टैंकर समुद्र में पलटा

13 भारतीयों समेत 16 क्रू मेंबर्स लापता

मस्कट (एजेंसी)। ओमान के पास एक तेल टैंकर समुद्र में पलट गया है। इस पर 13 भारतीय और 3 श्रीलंकाई समेत कुल 16 क्रू मेंबर्स सवार थे। ये सभी लापता हैं। घटना सोमवार (15 जुलाई) की है। इस पर 13 भारतीयों के सवार होने की बात अब सामने आई है। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने इसकी जानकारी दी।

समुद्री सुरक्षा केंद्र के मुताबिक, प्रेस्टीज फाल्कन नाम का तेल टैंकर दुबई के हमरिया पोर्ट से रवाना हुआ था। इस पर कोमोरोस का झंडा लगा हुआ था। यह यमन के अदन पोर्ट जा रहा था। डुक्म के पोर्ट टाउन के पास रास मद्रकाह से करीब 46 किमी दूर दक्षिण-पूर्व में तेल टैंकर पलट गया। क्रू मेंबर्स की तलाश में दो दिनों से सर्च और रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। वहीं भारतीय क्रू सदस्यों को ढूंढने के लिए इंडियन नेवी ने अपने युद्धपोत आईएनएस तेग और निगरानी के लिए एयरक्राफ्ट पी 8 आई भेजा है। वॉरशिप ओमानी वेसल्स के साथ अदन पोर्ट के पास सर्च ऑपरेशन में शामिल है।

उ.प्र.के 16 जिलों में बाढ़, 3 नदियां उफान पर

24 घंटे में 6 मौतें, कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 4 की मौत, 9 राज्यों में अलर्ट

लखनऊ/नइनेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में बाढ़ के हालात लगातार बने हुए हैं। यहां तीन नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। राप्ती नदी, बूढ़ी राप्ती और क्यूनो नदी के उफान पर होने के कारण गोरखपुर, सिद्धार्थ नगर और गोंडा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में डूब गया है। यह दुनिया का पहला झुका हुआ मंदिर है।

पिछले 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि सभी की मौत डूबने से हुई है। इसके अलावा कर्नाटक में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड के कारण 4 लोगों की मौत हो गई।

उधर, बिहार में भी बेतिया, बगहा, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 24 से ज्यादा निचले इलाकों के गांव में बाढ़ का पानी घुस चुका है।

9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने बुधवार 17 जुलाई को मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और उत्तराखंड यानी 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, 10 राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब और हरियाणा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

म.प्र.18 जिलों में आज तेज बारिश का अलर्ट - मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश से गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव है। इस कारण पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। कई जिलों में इतनी तेज बारिश हो रही है कि सड़कें तालाब बन गई हैं।

रानी कमलापति की तरह ही दूर से दमकेगा भोपाल रेलवे स्टेशन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की तरह ही भोपाल रेलवे स्टेशन को भी संवारने की तैयारी चल रही है। स्टेशन को शानदार लुक देने पर काम शुरू हो गया है। तैयार होने के बाद भोपाल स्टेशन बाहर से भोजपुर मंदिर की तरह दिखेगी। रेलवे ने स्टेशन को संवारने का काम शुरू कर दिया है। मंगलवार को पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने स्टेशन का निरीक्षण किया है। साथ ही उन्होंने विभिन्न सुविधाओं और विकास कार्यों का जायजा लिया है।

पीपीपी मोड पर चल रहा है कामः दरअसल, भोपाल रेलवे स्टेशन का रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स पीपीपी मोड पर चल रहा है। इसके निर्माण में कुल 150 करोड़ रुपए की लागत आ रही है। रेलवे के अनुसार प्लेटफॉर्म नंबर एक की तरफ मौजूद पुरानी और नई बिल्डिंग को भोजपुर मंदिर की तरह डिजाइन किया जाएगा। रेलवे ने इस काम को पूरा करने का लक्ष्य डेढ़ साल रखा है। स्टेशन को संवारने का काम तेजी से चल रहा है।

झोलाछाप डॉक्टरों की खैर नहीं, सरकार ने जारी कर दिए सख्त आदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में अब झोलाछाप डॉक्टरों की खैर नहीं रहेगी। सूबे की मोहन सरकार इन झोलाछाप डॉक्टरों को लेकर एक्शन मोड पर आ गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों और एसएच को फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि अब प्रदेश में सक्रीय ऐसे सभी डॉक्टरों की सूची बनाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश सरकार ने सभी कलेक्टरों, जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों (एसएच) को झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश जारी किये हैं। साथ ही, भविष्य में भी ऐसे फर्जी डॉक्टरों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए जरूरी कार्रवाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों की जुटाई जा रही जानकारीः अब झोलाछाप चिकित्सकों के संस्थानों पर तत्काल प्रतिबंधित किया जाएगा। कलेक्टर और सीएमएचओ को ग्रामीण इलाकों में झोलाछाप डॉक्टरों के बारे में बताए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही उन्हें ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर सरकारी सुविधाओं के बारे में जानकारी देनी होगी। इसके अलावा, ग्रामीण इलाकों में प्रशासन की ओर से चिकित्सकों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की भी बात कही गई है।

इसलिए सरकार हुई सख्तः गौरतलब है कि, प्रदेश के अधिकतर ग्रामीण इलाकों में झोलाछाप डॉक्टर सक्रिय हैं। ये फर्जी डॉक्टर अवैध रूप से क्लीनिक संचालित कर लोगों की जान से खिलवाड़ करते हैं। इसके कई मामले लगातार सामने आते रहे हैं। इन्हीं कारणों को मद्देनजर रखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने इन फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

एमपी में साढ़े सात लाख अधिकारियों और कर्मचारियों की डीए में गड़बड़ी!

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के साढ़े सात लाख कर्मचारी, अधिकारी और साढ़े चार लाख पेंशनर्स महंगाई भत्ता (डीए) को लेकर सरकार के प्रति मुखर नजर आ रहे हैं। कारण, उनका महंगाई भत्ता केंद्रीय कर्मचारियों की तुलना में 4% कम होना है। दरअसल, केंद्रीय कर्मचारियों की तुलना में मध्य प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों को 4% कम महंगाई भत्ता मिल रहा है। जनवरी 2024 से कर्मचारियों का डीए 50% हो जाना चाहिए था, लेकिन अब तक सरकार की ओर से उन्हें कोई इशारा नहीं मिला है। इस कारण अब कर्मचारियों की नाराजगी बढ़ गई है।

कर्मचारियों में बढ़ रही नाराजगीः कर्मचारियों को इस बात की चिंता भी सता रही है कि ज्यादा दिन होने पर उनके एरिया का लाभ भी नहीं मिलेगा। सरकार कर्मचारियों को तभी एरियर देती है जब चुनाव हो, लेकिन अगले दो ढाई साल तक प्रदेश में कोई चुनाव भी नहीं है। कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में साल में दो बार जनवरी और जुलाई में वृद्धि की जाती है। केंद्र सरकार जनवरी 2024 में अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4% बढ़कर 50% तक कर चुकी है। तय प्रक्रिया के तहत 1 जुलाई 2024 से केंद्रीय कर्मचारियों का डीए फिर दो या तीन प्रतिशत बढ़ना तय माना जा रहा है। ऐसे में अब राज्य के कर्मचारी डीए में केंद्रीय कर्मचारियों से 8% तक पीछे हो सकते हैं। जिसकी भरपाई होना मध्य प्रदेश में जल्द संभव नहीं दिखाई दे रहा है।

मोहन मंत्रिमंडल में खराब रिपोर्ट कार्ड वाले मंत्रियों की होगी छुट्टी! इन बड़े नेताओं को मिलेगी कमान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव के बाद एक बार फिर मोहन यादव मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। उपचुनाव में जीत दर्ज करने वाले कमलेश शाह को मंत्री बनाए जाने की संभावना है।

मोहन यादव मंत्रिमंडल का अभी हाल ही में विस्तार हुआ है और कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए रामनिवास रावत को मंत्री बनाया गया है। जब रावत को मंत्री बनाया गया था तब इस बात की चर्चा थी कि कमलेश शाह को भी शपथ दिलाई जा सकती है, मगर ऐसा नहीं हुआ। कमलेश शाह ने कांग्रेस छोड़ कर विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। अब जबकि चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और कमलेश शाह की जीत हुई है, लिहाजा सत्ता और संगठन में शाह को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर मंथन भी शुरू हो गया है।

कुछ मंत्रियों की हो सकती है छुट्टीः राज्य के मौजूदा मंत्रिमंडल की स्थिति पर गौर करें तो मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने मंत्रिमंडल में तीन और सहयोगियों को शामिल कर सकते हैं। इसी के चलते सियासी गलियारों में कयासबाजी भी जोर पकड़ रही है कि कमलेश शाह का मंत्री बनना तय है, वहीं दो वरिष्ठ सदस्यों को भी स्थान दिया जा सकता है। इसके अलावा जिन मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड अच्छा नहीं है, उनकी छुट्टी भी हो सकती है।

वरिष्ठ नेताओं को मिल सकती है जगहः राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मोहन यादव मंत्रिमंडल में कई वरिष्ठ नेताओं को जगह नहीं मिल पाई है और इन नेताओं के गाहे बगाहे ऐसे बयान आ जाते हैं जो पार्टी और सरकार के सामने मुसीबत बन जाते हैं। इन स्थितियों को टालने के लिए आगामी समय में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में उन वरिष्ठ नेताओं को भी जगह मिलने की संभावना है जो बीते समय में कई सालों तक मंत्री रहे हैं और उन्होंने विधानसभा का चुनाव भी चार-पांच बार से ज्यादा बार जीता है।

मध्य प्रदेश के सभी पटवारी मुख्यालय पर रहेंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राजस्व महाअभियान-2 (18 जुलाई से 31 अगस्त 2024) का ऐलान कर दिया है। सभी कमिश्नर और कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि वह अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले मामलों का निरंतर निरीक्षण करेंगे। सभी पटवारी अगले 45 दिनों तक अपने मुख्यालय पर रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पटवारी मुख्यालय पर रहें, दक्षता के साथ कलेक्टर कार्यवाही करें। अभियान की हर दिन समीक्षा की जाए, साफ-सुथरा कार्य हो, अच्छा कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। गलती होने पर माफ नहीं किया जाएगा। कमिश्नर अपना 45 दिन का दौरा कार्यक्रम बनाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। अभियान में नक्शा दुरुस्तीकरण का कार्य अच्छा हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रमुख सचिव को लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना का लाभ दिए जाना सुनिश्चित किया जाए, परंतु इस बात का ध्यान रखा जाए कि इसका दुरुपयोग न हो।

प्रदेश में 15 जनवरी से 31 मार्च तक चलाए गए राजस्व महाअभियान-01 में 30 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस महाअभियान में सभी जिलों में अच्छा काम हुआ। महाअभियान में राजस्व प्रकरणों के निराकरण प्रतिशत के हिसाब से पांढुर्ना प्रथम, बुरहानपुर द्वितीय, खण्डवा तृतीय स्थान पर है जबकि हरदा दसवें स्थान पर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल, सिंगरौली, मुरैना, उमरिया द्वितीय चरण में अच्छा कार्य करें, कोई शिकायत नहीं आए। विवादित प्रकरणों पर ठोस कार्यवाही की जाए। समग्र का आधार से सत्यापन करना जरूरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पटवारी डायरी डिजिटल की जाए। मेन्युअल डायरी प्रथा समाप्त की जाए। पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ, लंबित प्रकरणों में ई-केवाईसी करें। अच्छा वातावरण निर्मित करें। गौ-शालाओं की क्षमता अनुसार गौ-वंश रखें, वे सड़कों पर न दिखें। राज्य सरकार द्वारा गौ-शालाओं को दिया जाने वाले अनुदान को दोगुना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अवैध रेत उत्खनन पर कार्यवाही हो।

आम आदमी को बड़ा झटका! सांची का दूध अब 2 रुपए महंगा, अमूल ने पहले ही बढ़ाए दाम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में अब सांची का दूध लोगों को ?2 महंगा मिलेगा। सांची ने मंगलवार से दूध की कीमतों में यह इजाफा किया है। एक लीटर दूध की कीमत ?2 तक बढ़ाई गई है जबकि आधा लीटर दूध ?1 महंगा मिलेगा। भोपाल में 17 जुलाई से नए रेट लागू होंगे।

आपको बता दें कि इससे पहले 3 जून को अमूल अपने दूध में ?2 प्रति लीटर इजाफा कर चुका है। उसके बाद अब सांची ने भी कीमत बढ़ाने का निर्णय ले लिया है। सांची के अनुसार उसने करीब दो साल बाद दूध की कीमतों में इजाफा किया है। दूध के अलावा अन्य किसी प्रोडक्ट के रेट में बढ़ोतरी नहीं की गई है। सिर्फ भोपाल ही नहीं, प्रदेश के सभी 6 दुग्ध संघों ने रेट में बढ़ोतरी की है।

सांची के कर्ताधर्ताओं के अनुसार दूध की उत्पादन लागत बढ़ गई है, किसानों को भी ज्यादा रेट मिल रहा है, इसलिए अमूल ने भी कीमतें बढ़ा दीं। बता दें कि मध्य प्रदेश में प्रतिदिन अमूल दूध की 3 लाख लीटर खपत होती है। इंदौर में करीब सवा लाख लीटर दूध बिकता है, वहीं भोपाल, जबलपुर-ग्वालियर में 50 से 80 हजार लीटर के बीच दूध की खपत है।

भोपाल में पैंकिंग की बजाय खुला दूध ज्यादा बिकता है। यह 6 से 8 लाख लीटर रोज बिकता है। पैकेट वाले दूध में भोपाल में सबसे ज्यादा 3 लाख लीटर दूध सांची का बिकता है। वहीं अमूल दूध की खपत 60 हजार लीटर है। भेपाल में सौरभ, श्रीधी, मदर डेयरी का दूध भी पैकेट में बिकता है। सौरभ और श्रीधी का करीब 1 लाख लीटर दूध भोपाल जिले में बिकता है।

कलेक्टर की पहल से अब भिक्षावृत्ति मुक्त होगा भोपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने भोपाल में एक नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य शहर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाना है। इस पहल के तहत भिक्षावृत्ति में लिप्त वयस्कों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के सर्वेक्षण और पुनर्वास के प्रयास किए जाएंगे।

जिले में भीख मांगने वाले व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सर्वेक्षण, पहचान, मोबिलाइजेशन, पुनर्वास और आजीविका के उपाय किए जायेंगे। इसके अलावा, उन व्यक्तियों पर भी कार्यवाही की जाएगी जो भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का उपयोग करते हैं या उन्हें भीख मांगने के लिए मजबूर करते हैं।

कलेक्टर सिंह ने भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के लिए आश्रय, भोजन, कपड़े, बिस्तर, चिकित्सा सुविधाएं, परामर्श और शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराने दल गठित कर सर्वे कार्य प्रारंभ कराया है। इसके अंतर्गत ट्राफिक चौराहों, सड़कों, धार्मिक स्थानों, ऐतिहासिक स्थलों, पर्यटन स्थलों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों एवं अन्य सार्वजनिक भिक्षावृत्ति स्थानों के हॉटस्पॉट का चिन्हांकन तथा भिक्षावृत्ति करने वाले व्यक्तियों का सर्वे किया जाएगा। इसके लिए एसडीएम की अध्यक्षता में दलों का गठन किया गया है। दलों द्वारा सर्वे कार्य प्रारंभ किया गया है।

कलेक्टर के निर्देशन में एडीएम एवं अन्य अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में मंगलवार को एडीएम श्री भूपेन्द्र गोयल, संयुक्त कलेक्टर श्री इक़बाल मोहम्मद, ज्वाइंट कलेक्टर निधि चौकसे, डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते, श्री अजय शर्मा एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया।

जनसुनवाई में आए नागरिकों से लगभग 112 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर श्री भूपेन्द्र गोयल एवं अन्य अधिकारियों ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने न केवल मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

बिजली कंपनी कार्मिकों को सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के परिसर में किसी भी समय चेकिंग का कानूनी अधिकार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर में स्थापित मीटर की रीडिंग, जॉच, विजिलेंस चेकिंग तथा अन्य बिजली संबंधी कार्य के लिए बिजली कंपनी के अधिकृत कार्मिक अथवा आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को प्रवेश करने से न रोके ।

विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं म.प्र. विद्युत प्रदाय संहिता 2013 में दिये गये प्रावधानों के तहत मीटर की रीडिंग, जॉच, विजिलेंस चेकिंग तथा अन्य बिजली संबंधी कार्य के लिए कंपनी को सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के परिसर में सूचना देकर प्रवेश करने के कानूनी अधिकार हैं। अपितु केवल घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं के मामले में घरेलू स्थल अथवा परिसर का निरीक्षण, परीक्षण या जांच, सूर्यास्त और सूर्योदय के मध्यकाल के दौरान अधिवासी वयस्क पुरुष की उपस्थिति में आवश्यक है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि ऐसे उपभोक्ता जिनके मीटर परिसर के अंदर स्थापित हैं अथवा अनधिकृत विद्युत उपयोग की जांच, उपकरणों में अनधिकृत वृद्धि एवं फेर-बदल, विद्युत की चोरी तथा दुरूपयोग, विद्युत विचलन, मीटर एवं लाइनों से छेड़छाड़ जैसे संदेहास्पद मामलों में विद्युत उपभोक्ता बिजली कंपनी के अधिकृत कार्मिक अथवा आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को मीटर रीडिंग, जॉच, विजिलेंस चेकिंग तथा अन्य बिजली संबंधी कार्यों को करने लिए अपने परिसर में प्रवेश करने दें। उपभोक्ता कार्मिकों से फोटो युक्त परिचय पत्र देखने की मांग कर सकते हैं।

कंपनी उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिद्युत आपूर्ति करने तथा उपभोक्ता सेवाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है। उपभोक्ता इस हेतु बिजली कंपनी के कार्मिकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

विकास एवं निर्माण कार्यों की त्रैमासिक बैठक संपन्न

पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन कर हितग्राहियों को करें लाभान्वित : विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। विधायक सीधी रीती पाठक की अध्यक्षता में विकास एवं निर्माण कार्यों की त्रैमासिक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। विधायक पाठक ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी एवं निष्पक्ष क्रियान्वयन जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। शासन द्वारा गरीब एवं वंचित वर्गों के विकास के लिए विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए जिससे पात्र हितग्राहियों को सहजता से योजनाओं का लाभ मिले सके।

विधायक ने रीवा सीधी सिंगरौली रेल लाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि गोपद बनास अंतर्गत 18 गांव का अवार्ड पारित किया गया है। शेष लंबित प्रकरणों की कार्यवाही 15 दिवस के अंदर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। यह अति गंभीर मुद्दा है जिसके कारण रेलवे का कार्य सुचारू रूप से नहीं चल पा रहा है। डबल्यूआरडी द्वारा किसानों के खेतों में नहर का उत्खनन किया जा रहा है कि मुआवजे की राशि प्रदाय नहीं की गई इसको तत्काल विभाग एसडीएम से संपर्क कर निराकरण करें। जल जीवन मिशन अंतर्गत हो रहे कार्य में कुछ गांव में जहां विभाग द्वारा एनओसी नहीं ली गई और कार्य किया जा रहा है बिना एनओसी लिए कार्य न करें कार्य के पश्चात टूटी हुई सड़कों को तत्काल बनवा दें। जिससे किसी भी प्रकार की घटना ना हो, योजना अपने निर्धारित समय में पूर्ण हो यह विभाग और एजेंसी सुनिश्चित कर लें। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों के खाते में प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि की किस्त समय से पहुंच जाए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्य हितग्राहियों का भी समय से आवास बन जाए छूटे हुए हितग्राहियों को चिन्हित कर आवेदन करना सुनिश्चित करें। जिले में लाडली लक्ष्मी आवास योजना अंतर्गत आए आवेदनों का सत्यापन कर ले। संबल योजना के हितग्राही को लाभ समय से मिल जाए उन्हें अनावश्यक इधर-उधर भटकना न पड़े। शून्य शक्ति अभियान में बीपीएल और डबल आईडी तथा जो कम उम्र के हितग्राही का आवेदन किया गया है उसे चिन्हित कर लाभ दे।

विधायक पाठक ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी में स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित गौशाला में गौ वंशों को व्यवस्थित करें प्रायः सड़कों पर दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। गौशालाओं का भौतिक सत्यापन करें कितनी गौशालाएं संचालित हैं। सीधी विधायक ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान संचालित है जिसमें पौधों को सिर्फ लगाने नहीं बल्कि उसका उचित देखभाल किया जा सके यह सुनिश्चित करें। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय का संचालन आमजन के सहयोग तथा जन भागीदारी से करें। ग्राम पंचायत में हैंडपंपों के पास सूखता एवं कचरा घर बने तो हैं लेकिन उसके व्यवस्थित रखरखाव न होने के कारण सुचारू रूप से संचालित करना सुनिश्चित करें। विधायक ने कहा कि स्कूल में बच्चे समय से पहुंचे और उन्हें पठन-पाठन की सामग्री मिल जाए। साथ ही बच्चों को समय पर गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक आहार मिले यह सुनिश्चित करें। स्व सहायता समूह की महिलाओं को स्थानीय स्तर पर जोड़कर रोजगार मुहैया कराए जिससे महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन हो सके। गौ अभ्यारण के लिए भूमि चिन्हित करें। अवैध रेत माफ्रियाओं को रोकने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध कालोनियों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है जिससे चिन्हित कर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। साथ ही जमीनों का क्रय एवं विक्रय का मामला अवैध रूप से संचालित है उस पर रोक लगाए। लॉ कॉलेज एवं मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन चिन्हित कर कार्य प्रारंभ करें। सीएम राइज स्कूल के निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण हो यह सुनिश्चित करें। ट्रांसफार्मर समय से बदले जाएं नवीन विद्युतीकरण, खराब केवल के कारण वोल्टेज समस्या का निराकरण करें। जिससे विद्युत आपूर्ति के कारण किसानों तथा सामान्य जन को समस्या का सामना न करना पड़े। छोटी बस्ती एवं आबादी वाले इलाकों में विद्युत कनेक्शन करें। जहां विद्युत कनेक्शन संभावना हो पा रहा हो वहां सोलर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत आपूर्ति करें। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में लोगों को समय से लाभ मिले। डॉक्टर तथा स्टाफनर्स अपने ड्यूटी जिम्मेदारी से निर्वहन करें जिससे लोगों को आसानी से उपचार मिल सके। लोगों को समय से एंबुलेंस एवं शव वाहन उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करें। जिला अस्पताल के नए भवन का निर्माण हो चुका है उसे व्यवस्थित ढंग से संचालित करें जिससे आसानी से लोगों को स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिले। विधायक ने कहा कि राजस्व महा अभियान में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन जैसे राजस्व प्रकरणों का निराकरण शत प्रतिशत सुनिश्चित करें जिससे जमीन संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सके। पीएम किसान एवं सीएम किसान योजनाओं के पात्र हितग्राही को चिन्हित करें। यह सुनिश्चित करें कि पात्र हितग्राहियों को पट्टा वितरित हो गया है जिन्हें भूमि आवंटित नहीं हुई उसमें कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। नगर पालिका क्षेत्र से सटे हुए ग्राम पंचायत में आदर्श कॉलोनी के साथ कई अन्य कॉलोनी बनाई गई हैं जिसमें सड़क बिजली नाली की व्यवस्था कराई जाए। उद्योग विभाग द्वारा प्रदान की जा रही व्यावसायिक लोन के माध्यम से लोगों को स्वरोजगार स्वीकृत करे। जिले में खाद्य वितरण की स्थिति की जांच कर ले प्रायः ऐसा देखते हैं कि पात्र हितग्राहियों को खाद्य नहीं मिले पा रहा है। उद्यान विभाग जिले में बेहतर ढंग से पौधारोपण का कार्य करें।

विधायक ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य विभिन्न विभागों एवं जनप्रतिनिधियों के मध्य संवाद स्थापित कर योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को दूर करना है, जिससे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सके और इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। विधायक सीधी ने कहा कि अधिकारी पूरी निष्पक्षता से संवैधानिक व्यवस्था और नियमों के अनुरूप ही कार्य करें। अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी संजीदगी से करें।

इस अवसर पर जनपद पंचायत सीधी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, एसडीएम गोपद बनास नीलेश शर्मा, डीएसपी गायत्री तिवारी, सीईओ जनपद सीधी अशोक तिवारी, सिहावल शैलेश पाण्डेय सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेटी से दुष्कर्म करने वाला फरार पिता गिरफ्तार

रेलवे स्टेशन से मोरवा पुलिस ने पकड़ा, भागने की फिराक में था आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। मोरवा में रिश्तों को शर्मसार कर अपनी बेटी के साथ दरिंदगी करने वाले कलयुगी पुत्र को पुलिस ने मंगलवार शाम गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इसके बाद बुधवार को उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार अपनी 12 वर्षीय नाबालिग पुत्री से दुराचारी को अंजाम देने वाले सौतेले मोरवा पुलिस ने मंगलवार शाम रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया।

उसकी 12 वर्षीय नाबालिग बेटी ने अपनी मां के साथ थाने में अपने पिता के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पिता ने देर रात उससे दुष्कर्म किया। वहीं किसी को कुछ बताने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

आरोपी की खोजबीन में लगी टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि वह देर शाम रेल मार्ग से फरार होने की फिराक में है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को रेलवे स्टेशन के समीप से गिरफ्तार कर लिया। जिससे न्यायालय में पेश किया जाएगा।

उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक एनपी तिवारी, रामनरेश शुक्ला, सहायक उपनिरीक्षक उमेश अग्निहोत्री, प्रधान आरक्षक अजीत परिहार, संजय परिहार, त्रिभुवन नारायण मिश्रा, आरक्षक कमलेश तिवारी, महिला आरक्षक रामकाली पनिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वन भूमि से हटाया अतिक्रमण

मोहन्द्रा और पवई रेंज में अवैध कब्जे पर चली जेसीबी, कर्मचारियों ने किया पौधारोपण

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। जिले ने वन विभाग की भूमि पर ग्रामीणों ने वर्षों से अतिक्रमण कर रखा है। जिस पर खेती की जा रही है। इसकी शिकायत पर वन विभाग ने बुधवार से वनभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान की शुरुआत की है।

सबसे पहले मोहन्द्रा और पवई रेंज की वनभूमि से अतिक्रमण हटाया गया। वहीं वन विभाग ने उक्त जमीन से अतिक्रमण हटाकर विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण भी किया है।

जानकारी के अनुसार मुख्य वन संरक्षक संजीव झा और वन मण्डलाधिकारी पुनीत सोनकर के निर्देशन में चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान में मोहन्द्रा और पवई क्षेत्र की वन भूमि में ग्रामीणों के किए गए अतिक्रमण को हटाकर समझाइश दी गई।

वहीं कुछ स्थानों पर ग्रामीणों ने बाड़ लगाकर वन भूमि पर कब्जा किया था। जिसे जेसीबी की मदद से हटाया गया। विभिन्न क्षेत्रों से हटाए गए अतिक्रमण के स्थान पर कंटूर ट्रेंच बनाए गए और कंटीले बबूल के बीज की बुवाई की गई।

इस अभियान के दौरान मोहन्द्रा और पवई वन परिक्षेत्र का स्टाफ भी मौजूद रहा। मानसून सीजन में ग्रामीण शासकीय वन भूमियों पर अतिक्रमण कर फसलों की बुवाई कर देते हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों को समझाइश दी है कि वे शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें।

ग्रामीणों ने की रेंजर के वाहन पर पत्थरबाजी

हाथियों की निगरानी कर रहा वनरक्षक कुएं में गिरकर घायल

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर एजेंसी। अनूपपुर जिले में हाथी के उत्पात से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हैं। ग्रामीणों का गुस्सा दिन पर दिन बढ़ता जा रहा हैं। गुस्साए ग्रामीणों ने अनूपपुर रेंजर के बोलेरो वाहन पर हमला कर दिया। बोलेरो वाहन जो मुनादी करने के लिए गए था, उसी वाहन पर ग्रामीणों ने पत्थरबाजी की। जिससे बोलेरो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

दरअसल, अनूपपुर जिले के जैतहरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत 32 दिनों से हाथी विचरण कर हैं। जंगल से निकल कर हाथी ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। बुधवार की रात को हाथी धन सिंह के घर में अचानक हमला बोलकर तोड़फोड़ करने लगे। जिसकी आहट सुनकर धन सिंह के परिवार के सदस्यों भाग कर अपनी जान बचाई।

धन सिंह ने ग्रामीण एवं वन विभाग को सूचना दी। जिसके बाद से वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, हाथी मित्र दल और ग्रामीणों ने हाथियों पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग के एक बोलेरो वाहन पर हमला कर दिया। फिलहाल स्थिति अभी सामान्य हैं।

हाथी के हमले से वनरक्षक घायल: मंगलवार की देर रात हाथियों की गश्ती में लगे वन परिक्षेत्र जैतहरी के ठेही बीट के वनरक्षक राकेश शुक्ला पर हाथी ने हमला कर दिया।

वनरक्षक भागते हुए एक कुएं के अंदर गहरे पानी में गिर गया। जिन्हें रात में ही वनविभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की मदद से कुएं से बाहर निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी में उपचार के लिए भर्ती किया। उपचार बाद वनरक्षक शुक्ला खतरे से बाहर हैं।

क्रेशर कर्मचारी की रेत के ढेर में दबने से मौत

पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया, डेड बॉडी परिजनों को सौंपी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। बमीठा थाना क्षेत्र में बुधवार की दोपहर सिद्धांत क्रेशर के एक कर्मचारी की मौत का मामला सामने आया है व्यक्ति क्रेसर पर घूमने निकला था। रेत का ढेर धसक जाने से युवक उसमे दब गया। जिससे उसकी दम घुटने से मौत हो गई।

क्रेशर पर मौजूद कर्मचारियों को जानकारी लगने पर उसे रेत के ढेर से बाहर निकाला और इलाज के लिए जिला अस्पताल लाई। जहां डॉक्टर ने उसे मत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा तैयार करते हुए शाम पोस्टमॉर्टम कराया और डेड बॉडी परिजनों को सौंप दी।

बताया जा रहा है कि ओम नारायण विश्वकर्मा (26) निवासी जुआवन का रहने वाला है। बुधवार की दोपहर 1 बजे ड्यूटी के दौरान क्रेशर पर काम कर रहा था। तभी व्यक्ति के ढेर में दब गया। जिसके कारण उसकी दम घुटने से मौत हो गई। जब 2 घंटे बाद वह अन्य कर्मचारियों को नहीं दिख तो उन्होंने तलाश करना शुरू कर दी।

जहां वह रेत के ठेर में दवा हुआ मिला,उसको कर्मचारियों ने बाहर निकाला और आनन-फानन में इलाज के लिए दोपहर 3 बजे जिला अस्पताल लेकर पहुचे। जहां डॉक्टर ने उसे दोपहर 3.10 पर मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी पुलिस ने मृतक का पंचनामा तैयार करते हुए मृतक की बॉडी का शाम 4 बजे पोस्टमॉर्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया।

क्रेशर कर्मचारी नंद किशोर विश्वकर्मा ने बताया कि क्रेशर में बालू बनाई जाती है। ओम नारायण ड्यूटी खत्म होने पर प्लांट पर घूमने गया। कुछ समय नजर नहीं आया तब हम लोग उसे ढूंढने निकले। कहीं पता नहीं लगा। हालांकि, बालू का ढेर धंसा दिखाई दिया। जहां उसकी तलाश की उसे रेत के ढेर से बाहर निकाला और जिला अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टर ने घोषित कर दिया।

बमीठा थाना प्रभारी पुष्पक शर्मा ने बताया कि ऐसी कोई खबर थाने में नहीं आई है। सूचना मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बागेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव कल से

पांचों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम चलेंगे, 19 जुलाई को कवि सम्मेलन

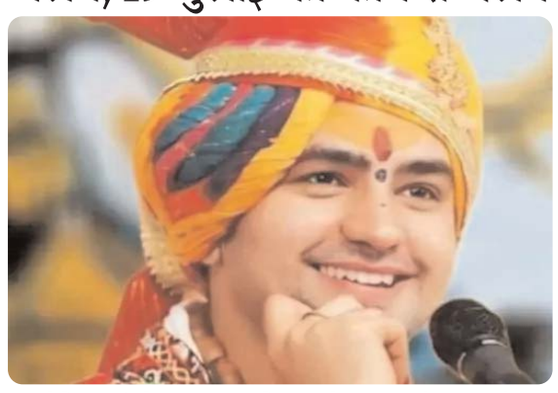

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। बागेश्वर धाम में गुरुवार से पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव की शुरुआत हो रही है। महोत्सव में 18 एवं 19 जुलाई को गुरु दीक्षा का कार्यक्रम होगा। 20, 21 और 22 जुलाई को गुरु दर्शन एवं पादुका पूजन का कार्यक्रम रखा गया है।

मंच से हर रोज सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। 19 जुलाई को रात में देश के प्रख्यात कवियों की महफिल सजेगी।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं.धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री आस्ट्रेलिया के कार्यक्रम से 17 जुलाई की रात वापस आ रहे हैं। आयोजन के क्रम में 18 एवं 19 जुलाई को गुरु दीक्षा का कार्यक्रम है। 17 जुलाई तक जिन लोगों के रजिस्ट्रेशन हुए हैं, उन्हें दीक्षा मिल सकेगी।

कवि सम्मेलन में कवि वेदव्रत वाजपेयी लखनऊ, हास्य कवि अर्जुन सिंह चांद के साथ अजय अंजाम औरैया, रविन्द्र रवि ग्वालियर, प्रदीप चौहान भिंड, अजय अटल इटावा, गौरव चौहान सैफई, अतुल वाजपेयी लखनऊ, राणा मुनि प्रताप सिंह हाथरस कविता पाठ करेंगे।

मध्यस्थता केंद्र चुरहट का हुआ लोकार्पण

सीधी निप्र। न्यायमूर्ति जी एस अहलूवालिया मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी संजीव कुमार पाण्डेय के द्वारा मध्यस्थता केंद्र चुरहट का लोकार्पण बुधवार 17 जुलाई को किया गया। कार्यक्रम में रमा जयंत मित्तल विशेष न्यायाधीश, मुकेश कुमार प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय जिला न्यायाधीश, बृजेंद्र सिंह अध्यक्ष अधिवक्ता संघ सीधी, वीरेन्द्र जोशी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, राजेश श्रीवास्तव प्रथम जिला न्यायाधीश, तृतीय जिला न्यायाधीश, गौतम कुमार गुजरे, सुउर्मिला यादव प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश, लक्ष्मण डोडवे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नृपेंद्र सिंह परिहार व्यवहार न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति चुरहट तथा सभी मजिस्ट्रेटगण, राजेश शाही अपर कलेक्टर, सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी, अरविंद श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित अधिवक्तागण, जिला न्यायलय के कर्मचारीगण, जिला प्रशासन के अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण एवं पुलिस विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एफएलएन मेंटरिंग उन्मुखीकरण कार्यक्रम

डीपीसी बोले- प्रभावी रूप से मेंटरिंग करें सभी जन शिक्षक

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। जिला मुख्यालय के ऑडिटोरियम हाल में बुधवार की दोपहर 3 बजे प्राथमिक कक्षाओं में प्रभावी शिक्षण के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत भारत सरकार की ओर से संचालित निपुण भारत अभियान और मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन अंकुर के अंतर्गत कक्षाओं के प्रभावी और सुदृढ मेंटरिंग के लिए जन शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। इस प्रशिक्षण में कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार के मार्गदर्शन में एफएलएन कॉन्क्लेव सह उन्मुखीकरण जिला शिक्षा केंद्र में आयोजित किया।

कार्यक्रम के शुरुआत में डाइट प्राचार्य पीएल अहिरवार ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए निपुण भारत अभियान के बारे में बताया। एपीसी एकेडमिक नीरज खरे ने मध्य प्रदेश में वर्ष-2022 से आरंभ किए मिशन अंकुर के उद्देश्य और लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के लिए आरंभ से लेकर वर्तमान तक उठाए गए कदमों की जानकारी दी।

निपुण प्रोफेशनल ओमकार हरम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्राथमिक कक्षाओं के लिए किए गए प्रावधानों की विस्तृत चर्चा की। डाइट के प्रशिक्षण प्रभारी आरके वर्मा ने प्राथमिक कक्षाओं के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री और शिक्षक संदर्शिका, छात्र अभ्यास पुस्तिका, पाठ्यपुस्तक और लर्निंग किट के बारे में विस्तार से बताया।

मास्टर ट्रेनर्स रामनरेश पाठक ने हिंदी भाषा के घटकों के बारे में, मुलायम सिंह सिसोदिया ने अंग्रेजी भाषा के घटकों के बारे में एवं सुरेश पटेल ने संख्या ज्ञान के घटकों के बारे में सारगर्भित चर्चा करते हुए ऑनलाइन मेंटरिंग एप का उपयोग करने के लिए चरण वार प्रस्तुतिकरण दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित मेंटर्स को संबोधित करते हुए डीपीसी अरुण शंकर पांडे ने कहा कि आज 17 जुलाई) के उन्मुखीकरण कार्यक्रम की सार्थकता तब है। जब सभी मेंटर्स विद्यालय में शिक्षकों का सहयोग करते हुए व्यवस्थित रूप से मेंटरिंग करते हुए छात्रों का प्रभावी स्थल मूल्यांकन करें। अगर हम जिले में मेंटरिंग को सुदृढ और प्रभावी बना लेंगे तो जिले के लिए निर्धारित लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर लेंगे।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा केंद्र में पदस्थ समस्त एपीसी, डाइट के समस्त एकेडमिक सदस्य, समस्त विकासखंडों के बीआरसीसी, बीएसी और प्रशिक्षण के लिए बचे रह गए जन-शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की। राष्ट्रगान के साथ कॉन्क्लेव सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

17 वर्षीय बालक की मौत

झरना में नहाने के दौरान पैर फिसला, पिकनिक मनाने गया था परिवार

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर जिले के बिजावर थाना अंतर्गत बुधवार की सुबह एक परिवार जटा शंकर धाम के पास मोनासैया में पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान एक 17 वर्षीय बालक झरना में नहाने के लिए गया था। तभी उसका पैर फिसल गया और वह 50 फिट नीचे गहरी खाई में गिर गया। परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजावर लाया गया। जहां से उसे डॉक्टर ने गंभीर हालात देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी पुलिस ने मृतक का पंचनामा तैयार करते हुए पोस्टमॉर्टम कराया और परिजनों को बॉडी सौंप दी।

विचार

ब्रिटेन की नई हुकूमत के समक्ष चुनौतियों की भरमार?

ब्रिटेन के चुनाव परिणामों ने अचानक मौसम गर्मा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेन वासियों ने तकरीबन-तकरीबन एक तरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली 'लेबर पार्टी' ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख 'कीर स्टार्मर' फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं? आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेनी नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया, काफी प्रभावित और आकर्षित भी हुए। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें लंदन के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे। भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है। क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेबर पार्टी को वोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधान मंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय 'नॉर्थलेरटन 'सीट से जीते हों। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरुआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे। ताज्जुब वाली बात ये है कि 'नॉर्थलेरटन' वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग-समर्थक भी उनसे झिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कईयों की तो जमानतें भी जब्त हुई हैं। लंदन और भारत के मौजूदा चुनावों ने एक बात ये बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं? कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे हैं कि फला समुदाय या मतदाता उनका है? बहरहाल, ब्रिटेन में आए चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। कमोबेश, फाइनल नतीजे उसके आसपास ही रहे हैं। आए नतीजों को देखकर लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। ब्रिटेन चुनावों की सूनामी में ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी की एकदम उड़ गई।

लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक जाना? इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनदेखी करने का मुद्दा भी लंदन के चुनाव में खूब उछला। बहरहाल, ब्रिटेन की नई हुकूमत के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा बड़ा सवाल यह खड़ा हो चुका है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गर्व होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराशा मानी जा रही है। वैसे, दिल पर लेने की जरूरत इसलिए भी नहीं है, राजनीति में हार-जीत कोई बड़ी बात नहीं? बदलाव होते रहते हैं और होने भी चाहिए? किसी एक व्यक्ति या दल के पास सत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहां संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भी दुनिया ने चमत्कारी बदलाव देखें? हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता 'कीर स्टार्मर ब्रिटेन' के अगले शासक बनने के लिए दिल खोलकर बधाई दी है। राजनीतिक लोगों में ऐसे नैतिकता हमेशा रहनी चाहिए। निसंदेह लेबर पार्टी के लिए ये जीत करिश्माई है। उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ संतों ने खोला मोर्चा, याद दिलाई पालघर की घटना

दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष तथा श्रीदूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के श्रीमहंत नारायण गिरि ने ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर जाकर राजनीतिक बयान देने को गलत बताया और कहा कि हिन्दू धर्म परंपरा में शंकराचार्य शीर्ष आसन है तथा उनका काम पूजा पाठ करना है और ऐसे पूज्यपाद का किसी के घर जाकर राजनीतिक बयान देना अनुचित है।

उत्तराखंड की ज्योतिपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद उद्धव ठाकरे को लेकर दिए गए बयान के बाद विवादों में घिर गए हैं। एक के बाद एक कई संतों ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष तथा श्रीदूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के श्रीमहंत नारायण गिरि ने ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर जाकर राजनीतिक बयान देने को गलत बताया और कहा कि हिन्दू धर्म परंपरा में शंकराचार्य शीर्ष आसन है तथा उनका काम पूजा पाठ करना है और ऐसे पूज्यपाद का किसी के घर जाकर राजनीतिक बयान देना अनुचित है।

इसके अलावा जगतगुरु परमहंस जी महाराज ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर निशाना साधते हुए कहा कि निश्चित रूप से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को मोटी दक्षिणा मिल गई होगी। इसलिए उन्होंने यह पक्षपातपूर्ण बयान दिया है। कभी-कभी अधिक सम्मान और ज्यादा दक्षिणा पाकर लोग मर्यादा भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि बाला साहेब ठाकरे ने कहा था कि मैं शिवसेना को कभी कांग्रेस नहीं होने दूंगा। अगर वो स्थिति आएगी तो मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। जब उद्धव ठाकरे अपने पिता बाला साहेब ठाकरे के सिद्धांत की हत्या करके कांग्रेस से गठबंधन कर लिया था। बाला साहेब ठाकरे के सिद्धांत की रक्षा करने के लिए बचाने के लिए एकनाथ शिंदे अलग हुए और मुख्यमंत्री हैं। लोकप्रिय हैं लगातार लोकप्रियता बढ़ रही है और बढ़ती रहेगी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का यह बयान पक्षपातपूर्ण है। ऐसा उन्हें नहीं कहना चाहिए था।

वहीं, जनरल सेक्रेटरी ऑफ़ अखिल भारतीय संत परिषद् स्वामी जितेंद्रानंद ने पालघर में हुई लिंचिंग का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पालघर में जिन संतों की पीट-पीटकर हत्या की गई। क्या कभी स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की जुबान उनके लिए खुली। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के मुहूर्त का विरोध करना हो या फिर केदारनाथ में जाकर यह कहना कि वहां से सोना गायब हो गया जैसे फर्जी आरोप लगाने हों। अंबानी परिवार के बेटे के विवाह में जाना, जहां सन्यासियों का जाना वर्जित है। वहां जाकर यह बयानबाजी यह दर्शाती है कि यह प्रसिद्धी और प्रचार का इतना भूखा है कि इसे सनातन धर्म और सन्यास की मर्यादा ही नहीं पता। स्वामी जितेंद्रानंद कहा कि हम तो बस इतना ही जानना चाहते हैं कि केदारनाथ के सोने के बारे में इतना ही जानना चाहेंगे कि रामालय न्यास के नाम पर रामजन्मभूमि पर निर्णय आने के बाद 1-1 ग्राम जो सोना इकट्ठा हुआ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद उस सोने का हिसाब देश को देना चाहिए। हिंदू समाज जानना चाहता है कि सोना चोरों केदारनाथ में तो सोना चोरी नहीं हुआ लेकिन रामालय न्यास के द्वारा रामजन्मभूमि के नाम पर सोना जरूर लूटा गया है। उसका हिसाब देश को देना चाहिए।

पालघर की लिचिंग पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की जुबान नहीं खुली- महंत राजूदास: अयोध्या के महंत राजूदास जी महाराज ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को किसी पार्टी की सदस्यता ले लेनी चाहिए। उन्होंने पालघर में संतों के साथ हुई लिंचिंग का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आपने एक शब्द भी उस घटना पर नहीं कहा। पालघर में संतों की निर्मम हत्या हुई। पीट-पीटकर आतंकवादियों ने पूज्य संतों को मार दिया। हत्या कर दी। उसपर आपका एक शब्द नहीं आया। लेकिन आपको ये दुख है कुर्सी पर उद्धव ठाकरे नहीं हैं। महंत राजूदास ने डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के बयान की याद दिलाते हुए कहा कि सनातन को जिस प्रकार से डेंगू, मलेरिया, कोरोना कहा जाता है। उद्धव ठाकरे जी उसी गोदी में बैठकर ठहाका लगाते हैं, हंसते हैं। उसपर चर्चा आपने नहीं की। लेकिन आपको तकलीफ है। उन्होंने कहा कि आप एक शंकराचार्य होने के बाद एक राजनीतिक दल के लिए इतनी चिंता है आपको लेकिन संतों की चिंता नहीं है। महंत राजूदास ने कहा कि हिंदू पश्चिम बंगाल में मारे जा रहे हैं। इस पर एक शब्द आपने बोला क्या? कांग्रेस के साथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मिले हुए हैं। ममता बनर्जी के साथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के संबंध अच्छे हैं। उसपर आपने चर्चा की क्या? पालघर की आपको चिंता नहीं थी लेकिन उद्धव ठाकरे को कुर्सी कैसे मिले इसकी आपको चिंता है।

राजनीतिक बयान देना संत का काम नहीं- श्रीमहंत नारायण गिरि: इससे पहले पंचदशनाम जूना अखाड़े के प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि ने मंगलवार को एक वीडिया जारी कर कहा कि शंकराचार्य ने शिवसेना उद्धव गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर जाकर राजनीतिक बयान दिया है और यह अनुचित है। उनका कहना था कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे के विवाह में शामिल होना भी ठीक नहीं है। पूज्य शंकराचार्य को किसी सामान्य इंसान के घर जाकर उन्हें आशीर्वाद देकर राजनीतिक बयान देना संत का काम नहीं होता है। उन्होंने इसे अनुचित बताया और कहा कि संत को इस तरह से राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''ठाकरे राजनीतिक महत्वकांक्षा के लिए अपने पिता बाला साहब ठाकरे की विचारधारा के विपरीत विधर्मियों के साथ खड़े हुए और पूज्य शंकराचार्य ऐसे विदर्भी के घर जाकर उन्हें आशीर्वाद दे रहे है, जो पूरी तरह से अनुचित है। पूज्य महाराज उद्धव ठाकरे के आवास पर जाकर उन्हें आशीर्वाद देने के बाद राजनीतिक बयान दे रहे हैं कि उद्धव ठाकरे साथ धोखा हुआ है। श्रीदूधेश्वरनाथ के श्रीमहंत ने कहा, ''साधु महात्मा का काम पूजा पाठ करना होता है, भगवान का नाम लेना होता है। किसी को चुनाव जिताना या हराना साधु का काम नहीं होता। हमारा काम सिर्फ भगवान की पूजा आराधना करना है। चुनाव में किसको हराना है और किसको जिताना है यह काम जनता का है। शंकराचार्य का स्थान बहुत ऊंचा है और सामान्य आदमी के घर जाकर उनको आशीर्वाद देना धर्म के ऐसे शीर्ष पद पर बैठे पूज्य संत के लिए उचित नहीं है। ठाकरे से मुंबई के बांद्रा स्थित उनके आवास 'मातोश्री% में मुलाकात के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, ''उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है और कई लोग इससे आक्रोशित हैं। मैं उनके आग्रह पर उनसे मिला और कहा कि जनता को हुई पीड़ा उनके दोबारा मुख्यमंत्री बनने तक कम नहीं होगी।%% अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इस साल जनवरी में अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से इनकार कर दिया था। निरूपम ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन बनाया था। पूर्व सांसद ने कहा, ''यह विश्वासघात था। अगर यह विश्वासघात नहीं था तो एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया राजनीतिक फैसला था।%% निरूपम के बयान पर पलटवार करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अगर किसी को शंकराचार्य के बयान पर आपत्ति है तो इसका मतलब है कि वह हिंदुत्व को नहीं मानता।

डॉक्टर्स की वार्निंग! कान में घंटों हेडफोन और इयरफोन लगाने वाले जरा संभल जाइए, बहरे हो सकते हैं आप

आजकल जो एक चीज़ लोगों में कॉमन दिखती है वो है सबके कान में हेडफोन का लगे रहना। हेडफोन और इयरफोन का इस्तेमाल इतना ज़्यादा बढ़ गया है कि लोग इसके बिना रह नहीं पाते है। चाहे सुबह की वॉक हो, जिम में वर्कआउट हो, ट्रैवलिंग हो या फिर घर में बैठे के कोई फिल्म देख रहे हों...ज़्यादातर लोगों के कान में हेडफोन लगा रहता है। कई लोग घंटों और पूरा दिन हेडफोन लगाकार फिल्मे और म्यूज़िक देखते हैं। आपने कभी सोचा है कि अगर घंटों तक हेडफोन लगाएंगे तो कान पर क्या प्रभाव पड़ेगा? अगर आपने भी यह आदत पाल रखी है तो सावधान हो जाएं! क्योंकि इस वजह से सुनने की क्षमता कम हो सकती है या फिर आप बहरे हो सकते हैं। चलिए डॉक्टर्स से जानते हैं कान में लंबे समय तक हेडफोन का इस्तेमाल क्यों हानिकारक है।

मैक्स अस्पताल में वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. अनिल धर कहते हैं कि हमारे कान के अंदर कुछ कोशिकाएँ होती हैं जो सुनने के काम में हमारी मदद करती हैं। ये कोशिकाएँ, आवाज़ के रूप में सिग्नल को ट्रांसमिट करने का काम करती हैं। इसलिए, जब हम तेज़ आवाज़ सुनते हैं तब इन कोशिकाओं पर उसका असर पड़ता है। और इसी वजह से, हमें सुनने में समस्या का सामना करना पड़ता है। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, अगर आप ज़्यादा समय तक 85 डेसिबल से तेज साउंड सुनते हैं तो आपके कान को नुकसान हो सकता है। वहीं, लोग अक्सर 105-110 डेसिबल तक साउंड सुनते हैं। जब हम तेज आवाज़ में म्यूज़िक सुनते हैं तो सुनने की क्षमता प्रभावित होती है और कई बार यह समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग बहरे तक हो सकते हैं।

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. बलबीर सिंह गांधी कहते हैं कि हम ऐसे बहुत से मरीज़ देखते हैं जो नियमित रूप से इयरफ़ोन का इस्तेमाल करते हैं। 10 साल तक के बच्चे भी इयरफ़ोन लगाकर नियमित रूप से गाने सुनते हैं। यानी हर उम्र के लोग इयरफ़ोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें कान में समस्याएँ तो होंगी ही। अगर आप लगातार इयरफ़ोन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो यह कान की नली के आकार की शारीरिक रचना को प्रभावित कर सकता है, इसलिए वे आपके कान के आकार को प्रभावित कर सकते हैं। जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है, वैसे-वैसे म्यूज़िक सुनने और बातचीत के नए तरीके भी विकसित होंगे। ऐसी में हमारे सुनने की क्षमता सुरक्षित रहे, इसका ध्यान हमें खुद रखना होगा।

ट्रक-सिटी बस में टक्कर, 20 से ज्यादा घायल

ड्राइवर की हालत गंभीर, बस की सीटें उखड़ी, घायलों में 6 महिलाएं, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक और सिटी बस में आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। हादसे में करीब 20 से ज्यादा सवारी घायल हो गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस की सीटें भी उखड़ गई। बस में सवार कई यात्रियों के सिर से खून बहने लगा, जिससे बस में जगह-जगह खून फैल गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक हादसा विधानसभा थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव के पास हुआ है। फिलहाल पुलिस और एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। जहां इलाज चल रहा है।

एक्सीडेंट को लेकर विधानसभा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बस रायपुर से खरोरा की ओर जा रही थी, तभी ट्रक सामने से आ रहा था। 10 बजे के करीब सेमरिया गांव के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार बस चला रहे ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। बस जाकर सीधे ट्रक से भिड़ गई। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई।

6 से ज्यादा महिलाएं घायल: बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान बस में करीब 25 से 30 यात्री सवार थे, जिनमें से कई महिलाएं भी थीं। एक्सीडेंट में करीब 20 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 6 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। एक्सीडेंट के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस ने घायलों को पास के ही सेमरिया के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

ट्रक ड्राइवर गंभीर रूप से घायल, बस ड्राइवर मौके से फरार: एक्सीडेंट के बाद ट्रक का ड्राइवर के सिर और शरीर में कई जगह चोटें आई हैं। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि बस के ड्राइवर और कंडक्टर फिलहाल मौके से फरार हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस ड्राइवर ही तेज रफ्तार में चला रहा था, जिस वजह से हादसा हुआ।

हादसे के बाद सड़क जाम: बस और ट्रक की टक्कर से दोनों गाड़ियां सड़क के बीच में क्षतिग्रस्त हो गई। इसके अलावा एक्सीडेंट के बाद आसपास के गांव के लोग भी घटनास्थल पर घायलों की मदद में जुट गए, जिससे रायपुर से खरोरा रोड पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई।हालांकि पुलिस ने क्रेन की मदद से बस और ट्रक दोनों को साइड कराकर जाम क्लियर करवाने में जुटी है।

घायलों के परिजनों को सूचना दी जा रही: विधानसभा थाना प्रभारी मुकेश शर्मा के मुताबिक, पुलिस ने एक्सीडेंट के बाद सभी घायलों को मेडिकल टीम की मदद से अस्पताल पहुंचाया है। घायलों के परिजनों को सूचना दी जा रही है। इस मामले में आगे की जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिसकर्मी की कार में तोड़फोड़

बदमाशों ने गाड़ी पर पटका बड़ा सा पत्थर, सीसीटीवी कैमरे में भागते दिखे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भिलाई में एक सिपाही की कार में तोड़फोड़ की गई है। बताया जा रहा है कि दो युवकों ने बड़ा सा पत्थर उठाया और गाड़ी के शीशे पर पटक दिया। आवाज सुनकर पड़ोसी जाग गए, जिन्होंने सिपाही के परिवार को जानकारी दी। मामला जामुल थाना क्षेत्र के कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का है।

बताया जा रहा है कि कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में कुछ अराजकतत्वों ने जामुल थाने के सिपाही की कार में तोड़फोड़ की है। कार सिपाही के घर के सामने खड़ी थी। रात में एक युवक आया और बड़ा सा पत्थर पीछे के शीशे में पटक दिया। इससे पहले की वो और कुछ करता मोहल्ले के लोग जाग गए और वो वहां से भाग गया।

मारपीट और चाकूबाजी सहित तोड़फोड़ की घटनाएं: भिलाई के जामुल क्षेत्र में आपराधिक तत्व काफी अधिक सक्रिय हो गए हैं। यहां आए दिन मारपीट और चाकूबाजी सहित तोड़फोड़ की घटनाएं हो रही हैं। हालात यह है कि यहां पुलिसवालों तक का घर सुरक्षित नहीं है। बीते मंगलवार रात एलआई 03, कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले दीपक सिंह की कार सीजी 07सीई6517 का कुछ लोगों ने पत्थर पटक कर कांच तोड़ दिया।

दीपक की पत्नी बबली सिंह ने बताया कि वो लोग रात में सोय हुए थे। बाहर उनकी बलेनो कार कवर में ढकी हुई खड़ी थी। तड़के उनके मोहल्ले के लोगों का फोन आया कि कोई लड़का उनकी कार का कांच तोड़कर भाग गया है। इसके बाद वो लोग बाहर निकले और देखा तो कोई नहीं था। इसके बाद दीपक ने जामुल थाने जाकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

सीसीटीवी फुटेज में आरोपी कैद: मोहल्ले में लगे एक मकान के सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई है। फुटेज में दो लड़के 17 जुलाई को तड़के 3 बजकर 45 मिनट पर मुह में कपड़ा बांध कर बाइक से आते हुए दिखाई दिए। उन्होंने गली में पड़े पत्थर को उठाया और कार के पीछे के कांच में पटक दिया। जब मोहल्ले के लोगों के जागने की आहट हुई तो वो लोग वहां से भाग गए।

कुरुद तालाब और पानी टंकी बना नशेड़ियों का अड्डा: बता दें कि जामुल के कुरुद क्षेत्र में साईं मंदिर के पास स्थित कुरुद तालाब जिसे लोग नकटा तालाब भी बोलते हैं वो नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। यहां अंधेरा होते ही बड़ी संख्या में लड़के आकर तालाब किनारे बैठकर शराब और गांजा पीते रहते हैं।

इस दौरान जो भी उन्हें यहां बैठने से मना करता है उसके साथ मारपीट करते हैं। कुछ दिन पहले ही यहां एक सोनू नाम के युवक के ऊपर एक लड़के ने चाकू से हमला किया था। वहीं दो दिन पहले भगवा चौक में 15 से 20 लड़कों ने मिलकर हॉकी राड चाकू लेकर दो लड़कों पर जानलेवा हमला किया। उन लोगों ने उन्हें सड़क में दौड़ा दौड़ा कर मारा।

जामुल पुलिस ने मामला भी दर्ज किया, लेकिन आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि पुलिस सही तरीके से गश्त नहीं करती है, इसके चलते यहां अराजक तत्व दूसरे क्षेत्र से भी आकर बैठकी कर रहे हैं।

11 साल से ड्यूटी से नदारद तखतपुर का पटवारी बर्खास्त

लगातार गायब रहने वाले कर्मचारियों की बनेगी लिस्ट, थोक में कार्रवाई होगी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले के तखतपुर तहसील कार्यालय का 11 साल से गायब पटवारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। जिला कलेक्टर अवनीश शरण ने सरकारी दफ्तरों में ड्यूटी से लगातार गायब रहने वाले कर्मचारी, अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जिस पर अमल शुरू हो गया है।

तखतपुर के एसडीओ (राजस्व) ने पटवारी राजेश सिंह को 4 अगस्त 2013 से अस्वस्थ होने का कारण बताकर कार्यालय में उपस्थित नहीं होने पर सिविल सेवा नियम के अंतर्गत सेवा से पृथक करने के आदेश दिए।

वर्षों से ड्यूटी से नदारद कर्मियों की सूची बन रही: सोमवार को टीएल बैठक में कलेक्टर ने सरकारी दफ्तरों में लंबे समय से नदारद रहने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए थे। समीक्षा के दौरान 7 विभागों के 25 कर्मचारियों के लंबे समय से ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होने की जानकारी सामने आई थी।

इसके बाद कलेक्टर ने सभी विभागों के कार्यालय अधीक्षकों को 20 जुलाई तक ऐसे सभी कर्मचारियों की सूची के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए। माना जा रहा है कि सूची तैयार होने के बाद विभागों में थोक में कार्रवाई होगी।

पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से काट डाला

रात भर बंद कमरे में लाश के साथ बैठा रहा आरोपी

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग-भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक के मर्रा गांव में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद रात भर बंद कमरे में लाश के साथ बैठा रहा। जब सुबह देर तक दरवाजा नहीं खुला तो अनहोनी से चिंतित घर वालों ने पुलिस को सूचना दी।

मामला उतई थाना क्षेत्र का है। उतई थाना प्रभारी विपिन रंगारी के मुताबिक आरोपी गोपी राम यादव (60) ने इस वारदात को अंजाम दिया है। फिलहाल, हत्या की वजह पारिवारिक मुद्दे को लेकर चल रहे आपसी विवाद को बताया जा रहा है।

देर रात दिया वारदार को अंजाम: घर के सदस्यों ने बताया कि खाना खा कर सभी अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। इस दौरान मंगलवार की रात कमरे में पति गोपीराम यादव ने पत्नी सकून बाई यादव (55) की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। सुबह सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाया। अंदर का दृश्य देखकर बेटे और बहू अवाक रह गए।

पुलिस आगे की जांच में जुटी: पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए दुर्ग भेजा है। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुटी हुई है। उतई पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही हत्या के वास्तविक कारणों पता लग पाएगा।

बीमारी से तंग हेड-मास्टर ने लगाई फांसी

रात में परिजनों के साथ खाना खाया, सुबह 4 बजे घर के बाहर फंदे पर लटका

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के एक स्कूल में पदस्थ हेड मास्टर ने अपनी जान दे दी है। उन्होंने घर के बाहर फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या की है। बताया जा रहा है कि वह किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। पिछले कई समय से उनका इलाज भी चल रहा था, लेकिन ठीक नहीं हो पा रहे थे। इसलिए उन्होंने सुसाइड कर लिया। मामला जिले के नगरनार थाना क्षेत्र का है।

मृत हेड मास्टर का नाम सुदुराम कश्यप (54) है। वे अपने परिवार के साथ कुरंदी 2 चिलकुटी में रहते थे। हल्बाकचोरा की प्राथमिक शाला में हेड मास्टर के पद पर पदस्थ थे।

लाखों रुपए खर्च होने पर ही ठीक नहीं हुए: परिजनों ने बताया कि पिछले कई साल से किसी बीमारी से जूझ रहे थे। अस्पताल में इलाज करवा कर थक चुके थे। इलाज के पीछे लाखों रुपए खर्च हो रहे थे, लेकिन फिर भी ठीक नहीं हो पा रहे थे। इसी बात को लेकर काफी परेशान रहते थे।

सुसाइड से पहले परिजनों से बातचीत की: वहीं मंगलवार की रात वे अपने परिवार के साथ खाना खाए। उनसे कुछ बातचीत किए। इसके बाद अपने कमरे में जाकर सो गए थे। सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच घर से बाहर निकले। फिर घर के बाहर एक पेड़ पर रस्सी का फंदा बनाया और उस पर झूल गए। उनके आत्महत्या करने के कुछ देर बाद उनकी बेटी भी घर से बाहर निकली। उसने अपने पिता की लाश देखी।

बेटी ने देखा और चीखने लगी: इसके बाद जोर-जोर से चीखने लगी। परिजनों ने आवाज सुनी और वे भी बाहर आए। फिर परिजनों ने किसी तरह से रस्सी को काटा और शव को नीचे उतारा। परिजनों ने पुलिस को इस मामले की जानकारी दी। शव को पोस्टमॉर्टम करने के लिए अस्पताल लाया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

रायपुर-दुर्ग में झमाझम बारिश, 4 जिलों के लिए यलो अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में दोपहर बाद तेज बारिश हो रही है। रायपुर, दुर्ग सहित अन्य जिलों में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला है। वहीं मौसम विभाग ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और कांकेर जिले में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। गरियाबंद की सोंढुर नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे नदी पार कर रहा ट्रैक्टर फंस गया। ड्राइवर समेत दो लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। बीजापुर-जगदलपुर मार्ग पर जांगला के नजदीक पानी चढ़ने से नेशनल हाइवे पर वाहनों के पहिए थम गए थे। पिछले 24 घंटे के दौरान बस्तर(नांगुर) में 100 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। धमतरी (बेलरगांव) में 93, नगरी में 84.7, टोकापाल में 80, कांकेर (नेहरपुर) में 71, पेंड्रा में 54.5 और बालोद(डौंडीलोहरा) 54 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

सोंढुर नदी में बाढ़ आने से फंसा ट्रैक्टर: गरियाबंद जिले की सोंढुर नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इस दौरान नदी पार कर रहा ट्रैक्टर बीच में ही फंस गया। पानी बढ़ता देख ट्रैक्टर ड्राइवर और उस पर सवार किसान ने कूदकर अपनी जान बचाई। किसान मक्के की फसल पर दवा छिड़कने गया था, लौटते समय ट्रैक्टर फंस गया।

डायरिया के बाद मलेरिया की दस्तक

कोटा में मिले 4 मरीज, एक की हालत नाजुक, आनन-फानन में पहुंचा स्वास्थ्य अमला

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में डायरिया के बाद अब मलेरिया ने भी दस्तक दे दी है। कोटा के ग्राम टाटीधार में चार मलेरिया मरीज मिले हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर है। उसे इलाज के लिए सिम्स भेज दिया गया है। फैलने की आशंका को देखते हुए सभी गांव वालों की मलेरिया जांच चल रही है।

वहीं बरसात का मौसम मच्छर जनित बीमारी अधिक होती है। इस मौसम में मलेरिया और डेंगू के मच्छर सक्रिय रहते हैं। डेंगू फैलाने का काम करते हैं। ऐसे में सभी को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

चार मरीज मिलने से गांव में बीमारी फैलने की आशंका: इसके बाद भी कोटा का ग्राम टाटीधार मलेरिया के लिए संवेदनशील गांव की श्रेणी में आ गया है। एक साथ चार मरीज मिलने से गांव में और लोगों के भी इसकी चपेट में आने आशंका बढ़ गई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। गांव में टीम पहुंच गई है।

शिवम की हालज नाजुक बताई जा रही: मलेरिया से पीड़ित शिवम की हालज नाजुक बताई जा रही है। इधर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव के दर्जनों मरीजों का मलेरिया टेस्ट किया है। विभाग की टीम बुधवार को गांव के हर संदिग्ध व्यक्ति का ब्लड सैंपल लेकर मलेरिया जांच करेगी।

खूंटाघाट में मिले डायरिया के मरीज: डायरिया का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। एक के बाद एक गांव इसके चपेट में आ रहा है। मंगलवार को खूंटाघाट गांव में डायरिया के पांच मरीज मिले हैं। इससे भी स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। रतनपुर के महामायापारा, नेवसा, लखराम, रानीगांव और कलमीटार के बाद मंगलवार को खूंटाघाट में डायरिया फैल गया है।

गांव के कई लोग उल्टी-दस्त से पीड़ित है। खूंटाघाट में भी डायरिया फैलने की वजह प्रदुषित पानी की सप्लाई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम मरीजों का इलाज कर रही है। इधर अस्पताल में कुल 17 मरीज भर्ती है। इनमे से एक की हालत गंभीर है।

मोहर्रम पर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

रायपुर में इमामबाड़ा से निकलेगा ताजिया, दुर्ग में एनएच पर रहेगी भीड़

मीडिया ऑडीटर, रायपुर/ भिलाई एजेंसी। आज मोहर्रम का त्योहार है। मुस्लिम समाज के लोग ताजिया निकालेंगे। इसमें हजारों लोगों की भीड़ उमड़ेगी। इसे देखते हुए छत्तीसगढ़ के कई जिलों में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। खासकर मुस्लिम बहुल इलाकों से निकलने वाले रास्तों पर ताजियों के कारण आवागमन बाधित रहेगा।

रायपुर और दुर्ग पुलिस ने इसके लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है, जिससे आम लोगों को परेशानी न हो। ताजिए के लिए भी रूट तय किया गया है। रायपुर में ताज नगर इमामबाड़ा से ताजिया निकलकर शहर के विभिन्न चौंक-चौराहों से होते हुए करबला तालाब तक जाएगा।

वहीं, दुर्ग ट्रैफिक डीएसपी सतीश ठाकुर ने बताया कि भिलाई में ताजिया निकलने के दौरान नेशनल हाईवे और सेंट्रल एवेन्यू मार्ग में काफी भीड़ होती है। इसे देखते हुए रूट डायवर्ट किए गए हैं।

रायपुर- दोपहर 2 बजे से निकलेगा मोहर्रम का जुलूस: रायपुर में अन्जुम-ए-अलमदारे हुसैनी इरानी जमात दोपहर 2 बजे इमामबाड़ा राजातालाब से मोहर्रम जुलूस निकालेगी। ये पंडरी बस स्टैंड, खालसा स्कूल से शास्त्री चौंक, मरहीमाता चौक, मौदहापारा थाना के सामने से होकर, एमजी रोड होते हुए आमापारा चौक से जीई रोड होकर करबला तालाब तक जाएगा।

इस दौरान इन मार्गों पर जुलूस पहुंचने के 100 मीटर पहले चौक (क्रासिंग) पर यातायात को डायवर्ट किया जाएगा। असुविधा से बचने के लिए वाहन चालक वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर सकते हैं।

इन वैकल्पिक रास्तों का करें इस्तेमाल- शास्त्री चौक से जीई रोड होकर टाटीबंध के लिए: वाहन चालक शास्त्री चौक से महिला थाना चौक-बूढ़ापारा बिजली आफिस चौक से बूढ़ा तालाब मार्ग होकर पुरानी बस्ती से लाखे नगर, आश्रम तिराहा होकर आ-जा सकते हैं।

शास्त्री चौक से रेलवे स्टेशन जाने के लिए: वाहन चालक एक्सप्रेस वे और कैनाल लिकिंग रोड का उपयोग कर आ-जा सकते हैं। रेलवे स्टेशन से होकर जीई रोड, कालीबाड़ी की ओर आने वाले वाहन चालक इसी मार्ग से आ-जा सकते हैं। मोहर्रम जुलूस के पहुंचने से 100 मीटर पहले रूट डायवर्ट किया जाएगा। जुलूस निकलने के 100 मीटर आगे बढ़ने के बाद रोड को खोली जाएगी।

भिलाई- शाम 4 बजे से रात के 12 बजे तक इन रास्तों में जाने से बचें: भिलाई में ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार शाम 4 बजे से रात के 12 बजे तक वैकल्पिक मार्गों के प्रयोग के लिए कहा है। साथ ही जो लोग ताजिया देखने आने वाले हैं, उनसे भी अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग में खड़ा करने की अपील की गई है।

इन मार्गों से होकर निकलेगा ताजिया: पावर हाउस चौक (ब्रिज के नीचे), छावनी सीएसपी कार्यालय के पास, पावर हाउस ओवर ब्रिज, मुर्गा चौक, पांडे चौक, 25 मिलियन चौक, जामा मस्जिद सेक्टर 6, जेपी चौक, सुपेला अंडर ब्रिज, सुपेला चौक, चन्द्रमौर्या चौक, करबला मैदान होकर ताजिया जुलूस निकलेगा। इस दौरान नंदिनी रोड से मुर्गा चौक पावर हाउस ओवर ब्रिज की ओर, मुर्गा चौक से 7 मिलियन चौक सेक्टर 6 (सेंट्रल एवेन्यू) की ओर, 25 मिलियन चौक से जेपी चौक फिर सुपेला अंडर ब्रिज, सुपेला चौक से चंद्रामौर्या चौक वाले मार्गों का प्रयोग करने से बचें।

भारी वाहनों के लिए इन मार्गों में प्रवेश निषेध: ताजिया जुलूस के रूट में सभी तरह के भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। खुर्सीपार चौक से मुर्गा चौक की और बीएसपी बोरिया गेट, मेन गेट से भी मुर्गा चौकी और भारी वाहनों का आगमन प्रतिबंधित रहेगा।

जाम से बचने के लिए इन मार्गों का प्रयोग करें: सेक्टर क्षेत्र के वाहन चालक फॉरेस्ट एवेन्यू मार्ग का प्रयोग करें।

नेशनल हाईवे में वाहन चालक ओवर ब्रिज मार्ग का प्रयोग करें।

रायपुर से सेक्टर की ओर जाने वाले वाहन चालक नेहरू नगर अंडर ब्रिज मार्ग का प्रयोग करे।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में ट्रेन से कट कर एक महिला की मौत हो गई है। किरंदुल-विशाखापट्टनम रेलवे ट्रैक पर महिला का शव टुकड़ों में पड़ा मिला। पुलिस महिला की शिनाख्त करने में जुटी हुई है। वहीं मामला जिले के बोधघाट थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की देर शाम करकापाल के नजदीक महिला का शव ट्रैक पर मिला था। लोगों ने इसकी जानकारी बोधघाट पुलिस को दी थी, जिसके बाद जवान मौके पर पहुंचे और शव को उठाकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

महिला के बारे में पता लगाने में जुटी पुलिस: वहीं पुलिस अब आस-पास के गांवों में साथ जी नजदीकी थाना क्षेत्रों में महिला के बारे में पता लगाने जुट गई है। फिलहाल अब तक कोई जानकारी हाथ नहीं लगी है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं मर्डर कर किसी ने आत्महत्या दिखाने की साजिश तो नहीं रची है।

पहले भी आ चुके हैं मामले: दरअसल, कुछ दिन पहले भी ट्रेन से कट कर एक महिला ने अपनी जान दी थी।

अलर्ट मोड पर जिला व पुलिस प्रशासन

कलेक्टर-एसपी ने अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, रात का निकलेंगे ताजिये

मीडिया ऑडीटर, रतलाम निप्र। मोहर्रम की 10वीं तारीख यौमे आशुरा पर आज बुधवार रात ताजियों का कारवां शहर में निकलेगा। ताजियों के आगे अखाड़ों पर करतब दिखाया जाएगा। हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया जाएगा। शहर में निकलने वाले ताजियो को लेकर पुलिस प्रशासन भी अलर्ट है। ताजियों के मार्ग को लेकर रूट एवं डायवर्सन प्लान किया है। अगर आप शाम 6 बजे के बाद के घर से निकलते है तो पुलिस का रूट व डायवर्सन प्लान देख कर ही निकले। दोपहर में डीआईजी मनोजसिंह, कलेक्टर राजेश बाथम, एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने पुलिस व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

पुराने कंट्रोल रुम पर एसपी ने रात्रि में ड्यूटी पर तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों को अपने-अपने दायित्व बताए। रात्रि में झिलमिलाती रोशनियों से सजे ताजिये अपने-अपने स्थान से उठकर शहर में निकलेंगे। ताजियो के आगे अखाड़े के कलाकार करतब दिखाते हुए चलेंगे। मोहर्रम को लेकर पुलिस की भी चाक चौबंद व्यवस्था रहेगी। सुरक्षा को लेकर बाहर से सुरक्षा बल की एक कंपनी भी आई है। जिन मार्गों से ताजिये निकलेंगे, उन मार्गों को लेकर ट्रेफिक पुलिस ने रूट ओर डायवर्जन प्लान तैयार किया है, जो कि आज शाम 6 बजे से लागू हो गया है।

रात को हुई गहमागहमी, पुलिस ने जारी की एडवाइजरी: बीती रात को कई ताजिये अपने-अपने क्षेत्रों से बाहर आ गए थे। रात बाजना बस स्टैंड क्षेत्र में मार्ग बंद होने के कारण गहमागहमी का माहौल हो गया था। एक पक्ष के लोग सड़क पर बैठ गए। नारेबाजी भी होने लगी। तो दूसरे पक्ष के युवा भी झुंड बनाकर बड़ी संख्या में आ गए थे। देर रात 1 बजे एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी अभिनव वारंगे समेत जिला प्रशासन के अधिकारी व शहर के चारों थाना प्रभारी बल के साथ मौके पर डटे रहे। वज्र वाहन भी मौके पर खड़ा करना पड़ा। बुधवार दोपहर तक पुलिस के पास कोई शिकायत लेकर नहीं पहुंचा। दोपहर पुलिस ने एडवाइजरी भी जारी की है। एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने भी वीडियो जारी कर सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की सांप्रदायिक, अनर्गल अथाव भड़काऊ पोस्ट करने वाले व्यक्तियों व बेवजह भीड़ एकट्ठी करने वालों के खिलाफ कानून कार्रवाई की चेतावनी दी है।

इन मार्गों से निकलेगा: ताजियों का कारवां अपने-अपने क्षेत्रों से निकलकर शहर सराय, रानी जी का मंदिर, नाहरपुरा चौराहा, गोविन्द पान वाला, आरोग्यम हॉस्पिटल, नगर निगम, हाथीखाना, मोचीपुरा, हाकिमवाडा, चार चक्की चौराहा, उंकाला रोड, बडा गणपति मंदिर होते हुए गुरुवार सुबह तक पंचपीर बाबा की दरगाह पहुंचेंगे। शहर में 8 से 10 प्रमुख ताजिये समेत करीब 60 ताजियो का कारवां निकलेगा।

पर्याप्त बल रहेगा मौजूद-एसपी: एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि रतलाम के ताजियो के मार्ग में परिवर्तन किया है। रतलाम समेत, जावरा, आलोट, ताल सभी जगह पूर्व में ताजिया कमेटी की मीटिंग ली जा चुकी है। ताजिया कमेटी के वालेंटियर्स बनाए है। सुरक्षा को लेकर एक कंपनी मिली है बल के साथ जिले का पूरा बल सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगाया जाएगा। ताजिये समय पर निकले। इस बात का खास ध्यान रखा जाएगा। ताजियो कमेटी को कहा कि स्वच्छता की ओर अग्रसर हो। साफ-सफाई भी ध्यान रखा जाए।

रिटायर्ड फौजी ने लूटा बैंक, कर्ज चुकाया

पत्नी ने खरीदी 50 हजार की टीवी, 1100 सीसीटीवी फुटेज देखकर घर पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडीटर, इंदौर निप्र। इंदौर में पंजाब नेशनल बैंक में दिनदहाड़े 6.64 लाख रुपए की लूट एक सिक्योरिटी गार्ड (रिटायर फौजी) ने की थी। पुलिस ने करीब 1100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए हरे रंग की बाइक के रूट को ट्रेस किया और आरोपी गार्ड के घर को ढूंढ निकाला। फुटेज में गार्ड नकाब और रेनकोट पहने दिखा था।

पुलिस ने लूट के तीन लाख रुपए, रेनकोट, हरे रंग की बाइक, जूते और बंदूक जब्त की है।

इंदौर पुलिस का दावा है कि आरोपी 16 जुलाई की दोपहर 4.41 बजे वारदात के बाद अपने घर गया था। उसने लूट के रुपए पत्नी और बेटी को सौंपे और फिर चला गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी को तलाश रहे हैं। लूट में एक ही आरोपी के शामिल होने की जानकारी सामने आई है।

बैंक में हवाई फायर किया, कैशियर से बैग में रुपए भरवाए: शहर के स्कीम नंबर 54 में मंगलवार शाम पंजाब नेशनल बैंक से एक बदमाश 6 लाख 64 हजार रुपए लूट ले गया था। नकाब और रेनकोट पहने बदमाश ने बैंक में घुसकर 315 बोर की बंदूक से हवाई फायर भी किया। कैश काउंटर पर बैठी महिला कर्मचारी से बैग में रुपए भरवाए और भाग निकला था।

बुधवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने बताया कि बैंक लूटने वाले गार्ड का नाम अरुण कुमार सिंह है। वह रिटायर फौजी है। 1999 से 2006 तक सेना में रह चुका है। शराबखोरी और स्वास्थ्य के कारणों से अरुण को सेना से बाहर कर दिया था। इसके बाद अरुण सिंह सिक्योरिटी गार्ड बन गया।

वह बैंक ऑफ इंडिया की पलासिया ब्रांच पर भी नौकरी कर चुका है। इसी वजह से उसे बैंक की गतिविधियों के बारे में जानकारी थी। आरोपी वारदात वाले पंजाब नेशनल बैंक के पास ही डेढ़ साल से गोल्ड माइन ज्वेलर्स पर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी की। वहां उसे पता था कि बैंक में कोई गार्ड नहीं है। उसके बाद उसने रैकी शुरू कर दी थी।

सीसीटीवी फुटेज से बाइक के रूट को ट्रेस कर घर तक पहुंची पुलिस: लूट के बाद पुलिस की अलग-अलग टीमें शहर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थीं। मौका-ए-वारदात पर एक्टिव मोबाइल नंबर और कॉल डिटेल की भी जांच की जा रही थी। टीमें फुटेज देखते देखते बापट चौराहे तक पहुंची उसके बाद फिर एमआर 10 पकड़कर गौरी नगर, दीनदयाल उपाध्याय नगर, लवकुश आवास विहार, अभिनंदन नगर, गौरीनगर से वीणा नगर, वीणा नगर से श्याम नगर तक पहुंची।

पुलिस टीम ने मिलकर करीब 1172 सीसीटीवी कैमरे चैक किए। सुबह करीब 4.30 बजे पुलिस को एक घर के आगे बाइक खड़ी हुई मिल गई। यह मकान सिक्योरिटी गार्ड अरुण सिंह का निकला।

पत्नी बोली- मुझे बैग लाकर दिया और रात में ही कहीं चले गए: जिस घर के आगे बाइक खड़ी थी वहां दरवाजा खटखटाने पर पड़ोसी बाहर आए। उनसे पूछा कि यह मोटर साइकल जिसकी है क्या उसके पास बंदूक है। उन्होंने बताया कि हां वह व्यक्ति रिटायर्ड फौजी है और गार्ड का काम करता है और बंदूक भी रखता है।

पुलिस ने तत्काल घर का दरवाजा खुलवाया। यहां अरुण सिंह की पत्नी प्रीति बाहर आई। उसने बताया कि पति मंगलवार शाम 5 बजे घर आए थे। इसके बाद वे रात में कहीं चले गए। मुझे एक बैग दे गए हैं। तलाश लेने पर बैग घर में ही मिल गया। इस पर पीएनबी की स्लिप लगी थी। बैग से तीन लाख रुपए भी बरामद किए।

फुटेज में देखकर पत्नी ने की शिनाख्त: अरुण सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के एटा का रहने वाला है। फिलहाल, हीरा नगर थाना क्षेत्र के ?श्याम नगर में रहता है। पुलिस को उसके घर से बैंक तक जाने और बैंक से घर आने तक के फुटेज मिले हैं।

पुलिस जब उसके घर पहुंची तो पत्नी को ग्रीन कलर की बाइक, नकाब और रेनकोट पहने फुटेज दिखाए। पत्नी ने फुटेज में अरुण के होने की पुष्टि की।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में एक अन्य बैंक कर्मचारी की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। बताया गया है कि अरुण उसके संपर्क में था।

चोरी के बाद मंदिर में ही सो गया चोर

मंदिर के गर्भगृह में गादी डालकर सोया, सुबह श्रद्धालुओं ने हाथ-पैर बांधे

मीडिया ऑडीटर, शाजापुर निप्र। शाजापुर में युवक मंदिर में चोरी करने आया। कीमती सामान चुराया, लेकिन भागा नहीं। मंदिर में ही गादी बिछाकर सो गया। सुबह श्रद्धालु दर्शन करने मंदिर पहुंचे तो युवक सोता मिला। श्रद्धालुओं ने चोर के हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए। इसके बाद पुजारी और डायल-100 को सूचना दी। चोर को थाने ले जाया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

मामला लालबाई-फूलबाई माता मंदिर का है। मंदिर के पुजारी मनोज राठौर ने बताया, मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे। मंदिर में कीमती सामान भी तलाशा, लेकिन ज्यादा कुछ मिला नहीं। बाकी चोर तो भाग निकले, लेकिन एक को इतनी नींद आई कि वह माता रानी के पास रखी गादी डालकर मंदिर में ही सो गया। कोतवाली पुलिस को आवेदन दिया है।

बंगाल का रहने वाला है चोर: लोगों ने पूछताछ की तो चोर ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल की सिलीगुड़ी का रहने वाला है। वह अपने दो-तीन साथियों के साथ चोरी करने मंदिर आया था। बाकी साथी चले गए, जबकि वह यहीं पर सो गया।

दो महीने बाद सोना फिर 74 हजार पार

मीडिया ऑडीटर, इंदौर निप्र। देवउठनी ग्यारस से शादियों का सीजन खत्म हो जाता है जिसके बाद सोने के बाजार में मंदी का असर रहता है। लेकिन फेडरल रिजर्व बैंक सितंबर से ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, इसके चलते बुधवार को सोने में 11 सौ 50 रूपए की तेजी आई। बुधवार को इंदौर में सोना केडबरी 1150 रुपए उछलकर 74 हजार 200 रुपए प्रति दस ग्राम के रिकॉर्ड पर पहुंच गया है।

बुधवार को कॉमेक्स पर सोना 43 डॉलर बढ़कर 2,482 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। सोने में ये तेजी मुख्य रूप से फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती को लेकर बढ़ती आशावाद के कारण आई। सराफा बाजार व्यापारियों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले दो महीनों से सोने का भाव 72 हजार रूपए के आस पास बना हुआ था। आज के पहले 20 मई को सोने का भाव 74 हजार रूपए था। लेकिन 20 मई से इसमें लगातार गिरावट आ रही थी।

व्यापारियों का कहना है कि इस माह के अंत तक सोना वापस से 75 हजार रूपए के आंकड़े को छू सकता है। कम दरों की संभावना के कारण डॉलर एक महीने के निचले स्तर पर गिर गया, जिससे कीमती धातुओं की कीमतों को और लाभ हुआ। अन्य कीमती धातुओं में भी कमजोर डॉलर के कारण तेजी आई है। कॉमेक्स पर चांदी वायदा 55 डॉलर उछलकर 31.42 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

इससे इंदौर में चांदी चौरसा नकद में 450 रुपए उछलकर 91 हजार 000 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है।

खुद को भगवान बताने वाले संतों पर लगेगा बैन

112 को नोटिस थमाया, महाकुंभ में नहीं मिलेगी एंट्री, अल्लाह-हू-अकबर कहने वाले चिह्नित होंगे

मीडिया ऑडीटर, उज्जैन निप्र। खुद को भगवान बताने वाले साधु - संतों के खिलाफ अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने नाराजगी जाहिर की है। उज्जैन पहुंचे रविंद्र पुरी ने कहा, 'आजकल ऐसा ट्रेंड चला है कि हर कोई अपने आप को उपासक-पुजारी नहीं, भगवान कह रहा है। खुद को ब्रह्मा, विष्णु, महेश और राम कह रहे हैं, ऐसे संतों पर कार्रवाई होना अति आवश्यक है। प्रयागराज के कुंभ में ऐसे व्यक्तियों को भूमि नहीं दी जाएगी।' तीन अखाड़ों ने अपने 112 संतों को नोटिस दिया है।

प्रयागराज में महाकुंभ 2025 में होगा। उज्जैन में 4 साल बाद कुंभ होना है। ऐसे में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष यहां व्यवस्थाएं देखने आए। उन्होंने कहा, 'हमारी सनातन संस्कृति के विरोध में जो जाएगा, उस पर कार्रवाई होगी। मंच से अल्लाह हू अकबर कहना, नमाज पढ़ना उचित नहीं है। मंच पर पति- पत्नी बैठकर शादी करें, ये चीजें अच्छी नहीं हैं। ऐसे संतों को चिह्नित किया जाएगा, जो सनातन के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं।' रविंद्र पुरी महाराज से नोटिस देने की वजह पूछी तो कहा- ये गुप्त मामला है।

जवाब संतोषजनक नहीं, तो महाकुंभ में एंट्री नहीं मिलेगी

रविंद्र पुरी महाराज ने 6 महामंडलेश्वर को निष्कासित करने के संबंध में कहा कि फिलहाल दो महीने पहले सिर्फ उज्जैन में महिला महामंडलेश्वर को निष्कासित किया गया है, अन्य किसी को नहीं। 112 संतों को नोटिस देने के संबंध में उन्होंने कहा कि सभी अखाड़ों की अपनी व्यवस्था है। अखाड़े से संबंधित किसी संत को गलती करने पर उनके अखाड़े ने नोटिस जारी किया होगा और वही कार्रवाई भी करेंगे।

जूना अखाड़े ने 54 संत, श्री निरंजनी अखाड़े ने 24 संतों और निर्मोही अनी अखाड़े ने 34 संतों को नोटिस थमाया है। संतों ने 30 सितंबर तक संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो महाकुंभ-2025 में प्रवेश नहीं मिलेगा। अखाड़े सनातन धर्मावलंबियों की आस्था व समर्पण का केंद्र हैं। मौजूदा समय 13 अखाड़े हैं। उन्हें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के माध्यम से संगठित किया गया है।

दोष मिलने पर तत्काल निष्कासित करते हैं: अखाड़े से जुड़े संतों में कोई दोष न आए इसके लिए दो-तीन वर्ष के अंतराल से सभी अखाड़े अपने महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, श्रीमहंतों की कार्यप्रणाली की गोपनीय जांच करवाते हैं। जांच अखाड़े के पदाधिकारी करते हैं।

इसमें उनका रहन-सहन, कार्यप्रणाली, किस प्रकार के लोगों से संबंध हैं? देखा जाता है। अपेक्षा के अनुरूप कार्यप्रणाली न मिलने पर नोटिस देकर जवाब मांगा जाता है, जिनमें ज्यादा दोष मिलता है उन्हें तत्काल अखाड़े से निष्कासित कर दिया जाता है।

पत्नी को डाक से भेजा तीन तलाक

पति ने लिखा- माता-पिता को अपमानित करती है, महिला बोली- प्रताड़ित मैं हुई, मुझ पर ही लगाए आरोप

मीडिया ऑडीटर, अशोकनगर निप्र। अशोकनगर में एक महिला को डाक से तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। 23 साल की महिला मंगलवार को एक लेटर लेकर देहात थाना पहुंची। लेटर पुलिस की ओर बढ़ाते हुए बोली, सर यह मेरे पति ने भेजा है। डाक के जरिए उन्होंने मुझे तीन तलाक दे दिया।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने महिला विवाह संरचना अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। महिला की शादी 2023 में कोलारस के रहने वाले आदिल से हुई थी। उसका आरोप है कि शादी के बाद से ही पति दहेज के लिए प्रताड़ित करता था।

पति ने डाक से भेजा तलाक का लेटर: साहिबा बानो ने बताया कि 26 अप्रैल 2023 को कोलारस के आदिल से मेरी शादी हुई थी। वह मंडी में अनाज खरीदने-बेचने का काम करता है। शादी के बाद से ही ससुराल वाले कहते हैं कि जिस तरह हम रखना चाहें, उसी तरह से आपको रहना पड़ेगा। पति मुझसे मारपीट करता। एक पति ने ?2 लाख रुपए की मांग की। मैंने अपने पिता को बताया। पिता ने जब उनसे बात की तो वह एक पिकअप वाहन खरीदने का कहने लगे।

पिता ने 2 लाख दिए, फिर भी मारपीट करते थे: 20 अप्रैल को पापा ने ?2 लाख रुपए की मदद की, जिससे उन्होंने वाहन खरीदा। इसके बाद भी उनका मन नहीं भरा और मारपीट कर और पैसों की मांग करने लगे। कहने लगे कि तुम पैसे लेकर आओ, काफी दिनों तक यही चलता रहा।

परेशान होकर मैं अपने माता-पिता के घर आकर रहने लगी। रविवार को घर पर ही थी, तभी मेरे नाम से पोस्ट ऑफिस से एक लेटर आया। लेटर मुझे पति ने भेजा था। खोलकर देखा तो उसमें तीन तलाक लिखा हुआ था। उसे फोन लगाया तो बात नहीं की। इसके बाद थाने आकर शिकायत दर्ज कराई।

परेशान होकर मैं अपने माता-पिता के घर आकर रहने लगी। रविवार को घर पर ही थी, तभी मेरे नाम से पोस्ट ऑफिस से एक लेटर आया। लेटर मुझे पति ने भेजा था। खोलकर देखा तो उसमें तीन तलाक लिखा हुआ था। उसे फोन लगाया तो बात नहीं की। इसके बाद थाने आकर शिकायत दर्ज कराई।

खदान में डूबने से दो भाइयों की मौत

छोटे को बचाने बड़ा भाई भी कूदा, श्योपुर में अवैध खदान में भरा था बारिश का पानी

मीडिया ऑडीटर, श्योपुर निप्र। श्योपुर के ओछापुर की खदान में दो नाबालिग की डूबने से मौत हो गई। दोनों चचेरे भाई थे। 12 साल का बच्चा खदान के पास खड़ा था, उसका पैर फिसला और पानी में जा गिरा। ये देख 17 साल का उसका भाई बचाने के लिए पानी में कूद गया।

ओछापुरा में मो रोड के पास अवैध पत्थर खदान है। ओछापुरा थाना प्रभारी जय सिंह रघुवंशी ने बताया, बुधवार सुबह करीब 9 बजे धर्मेंद्र (12) और रामवतार माली (17) रिश्तेदार के साथ बकरियां चराने खदान के पास गए थे। जब बकरियों को पानी पिलाने लगे तो धर्मेंद्र का पैर फिसला और वह डूबने लगा। भाई को डूबता देखकर रामावतार भी खदान में कूद गया। दोनों को ही तैरना नहीं आता था। जब तक लोग वहां पहुंचे दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

पत्थर निकालने से खदान में गड्ढा बना: ओछापुरा की जिस पत्थर खदान में दो बच्चे डूबे हैं, वह सालों से अवैध रूप से संचालित की जा रही है। खनन से यहां बड़ा गड्ढा बन गया है, जिसमें बारिश का पानी भरा है। खदान के चारों तरफ सुरक्षा के लिए फेंसिंग भी नहीं की गई है।

परिजन प्रभुलाल का कहना है कि बच्चे घर से बकरी चराने के लिए गए निकले थे। खदान अवैध थी, जिसमें बहुत पानी भरा था। बच्चे शायद नहाने लगे या गिर गए, पता नहीं। पानी में डूबकर उनकी मौत हुई है।

मृतकों के परिजन को 4-4 लाख सहायता राशि मिलेगी: विजयपुर एसडीएम बीएस श्रीवास्तव का कहना है कि खदान अवैध है, जिससे ग्रामीण अपनी जरूरत के हिसाब से पत्थर निकलते हैं। आगे इस तरह की घटना न हो इसके लिए इंतजाम कराएंगे और मृतकों को शासन की गाइडलाइन के हिसाब से 4-4 लाख रुपए दिए जा रहे हैं। दो साल पहले भी ओरछापुर के पास बड़ागांव में पत्थर खदान में दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई थी।

5 मंजिला मल्टी का पिलर टूटा, बिल्डिंग झुकी

आधी रात 27 फ्लैट खाली कराए, लोग बोले- बाहर कटी रात, खाना भी नहीं उठा पाए

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर निप्र। ग्वालियर में मंगलवार रात बड़ी घटना होने से बच गई। थाटीपुर की नेहरू कॉलोनी में बनी गोल्डन टॉवर मल्टी का एक पिलर टूट गया। बिल्डिंग एक ओर झुकने लगी तो लोग सड़क की ओर दौड़े। नगर निगम ने देर रात 1 बजे तक सभी 27 फ्लैट खाली करा लिए।

मल्टी 8 साल पुरानी है। पार्किंग सहित चार मंजिला इमारत के ऊपर दो पेंट हाउस हैं। इसे बिल्डर मोहन बांदिल ने बनाया था। यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि एक-दो दिन से मल्टी में कुछ आवाज आ रही थी। रात में पिलर पर नजर पड़ी तो आरसीसी के साथ लोहे के सरिए तक टूट चुके थे। मल्टी के 301 फ्लैट में दरार बताई गई। जिस जगह पिलर टूटा है, वहां जैक लगाकर बिल्डिंग को साधा गया है।

निगमायुक्त आयुक्त हर्ष सिंह का कहना है कि मल्टी की जांच एमआईटीएस से कराएंगे। सिटी प्लानर ने बताया कि लेआउट को देखकर लगता है कि परमिशन से मल्टी बनी है।

लगा कि मल्टी गिर ही जाएगी: मामला रात 11 बजे का है। पुलिस, नगर निगम, रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंच गई थीं। स्थानीय निवासी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि एक समय के लिए तो ऐसा लगा कि अब मल्टी गिर ही जाएगी। अमित और अनिल गुप्ता का कहना है कि 301 फ्लैट में रहते हैं। उनके फ्लैट में दरारें आ गई हैं। इसलिए सब कुछ छोड़कर बाहर आ गए। इतना भी समय नहीं मिला कि बना हुआ खाना साथ ला पाते।

बैरिकेड लगाकर पुलिस तैनात: मल्टी में कोई न जाए, इसके लिए मल्टी के दोनों तरफ बैरिकेड लगाकर पुलिस जवान तैनात कर दिए गए हैं। रात में पुलिस को तमाशबीन लोगों को भी मौके से खदेड़ना पड़ा। साथ ही मल्टी पर सूचना भी लगाई गई है कि जब तक बिल्डिंग को पूरी तरह सुरक्षित घोषित नहीं किया जाता है, वहां कोई नहीं रह सकता।

पहले चलता था स्कूल: ये मल्टी 2 भूखंड 91-92 पर बनी है। इसमें 27 परिवार रहते हैं। मल्टी के 2 पेंट हाउस बेच दिए गए। लोगों का कहना है कि पहले यहां एक निजी स्कूल चलता था। उनके मालिक ने जमीन बेच दी, तब मल्टी बनाई गई।

ये कमियां सामने आईं: निगम इंजीनियर के मुताबिक बिल्डिंग का पिलर फेल हो गया। पिलर के सरिए सही तरीके से नहीं बंधे थे। आरसीसी का इस्तेमाल ठीक से नहीं किया। मल्टी में कॉलम की संख्या भी कम है, जिससे स्थिति बनी।

यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट मैचों का आगाज फिर से हो चुका है। लंबे समय बाद आईसीसी ने टेस्ट रैंकिंग में बदलाव किया है। पिछले दिनों इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच का असर इस बार की रैंकिंग पर देखने के लिए मिल रहा है। इस बार जो रैंकिंग जारी की गई है, उसमें भारत के यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को नुकसान होते हुए दिख रहा है, हालांकि टॉप 10 में भारत के कुल 3 खिलाड़ी शामिल हैं।

आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में भी बदलाव देखने के लिए मिल रहा है, हालांकि पहले नंबर पर अभी भी केन विलियमसन का कब्जा बरकरार है, लेकिन अब उनकी कुर्सी पर खतरा मंडराते हुए दिख रहा है। केन विलियमसन की रेटिंग 859 की है और वे पहले नंबर पर हैं। वहीं इंग्लैंड के जो रूट की रेटिंग अब 840 हो गई है और वे नंबर दो की कुर्सी पर जमे हुए हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम की रेटिंग 768 है और वे तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल की भी रेटिंग इतनी ही है, इसलिए वे भी संयुक्त रूप से इसी कुर्सी पर विराजमान हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पिछले कुछ वक्त से कोई टेस्ट नहीं खेला है, इसके बाद भी स्टीव स्मिथ 757 की रेटिंग के साथ नंबर 5 पर बने हुए हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की रेटिंग 751 है और वे अभी भी छठे ही नंबर पर डटे हुए हैं। इस बीच इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने तीन स्थानों की छलांग मारी है। वे 747 की रेटिंग के साथ सीधे नंबर 7 पर पहुंच गए हैं। इसका नुकसान भारत के यशस्वी जायसवाल को हुआ है। वे अब 740 की रेटिंग के साथ नंबर 8 पर पहुंच गए हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। श्रीलंका के दमुथ करुणारत्ने की रेटिंग 739 है ओर वे नंबर नौ पर हैं। वे भी एक स्थान नीचे आ गए हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की रेटिंग 737 की है और वे नंबर दस पर पहुंच गए हैं। उन्हें भी एक स्थान का नुकसान हुआ है, लेकिन इसके बाद भी वे टॉप 10 में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब हुए हैं।

भारत का गोल्डन ब्वॉय एक बार फिर से ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैवलिन थ्रो की बात हो और नीरज चोपड़ा का नाम न लिया जाए ऐसा हो नहीं सकता। नीरज चोपड़ा को आप गोल्डन ब्वॉय कह लीजिए या फिर गोट। गोट माने ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम। नीरज चोपड़ा ने इस नाम को अपनी मेहनत से कमाया है। दुनियाभर में खेले जाने वाले कई प्रतियोगिताओं में नीरज चोपड़ा ने अपना डंका बजाया है। ओलंपिक हो, कॉमनवेल्थ गेम्स या फिर एशियन गेम्स, उनके जैवलिन ने हर बार गोल्ड पर सटीक निशाना लगाया। 26 साल के नीरज चोपड़ा के इन उपलब्धियों ने पूरे देश में जैवलिन थ्रो का लेवल काफी ज्यादा बढ़ा दिया। हाल के समय में उन्होंने लंबे इंजरी ब्रेक के बाद वापसी की है और भारत का गोल्डन ब्वॉय एक बार फिर से ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

नीरज को है गोल्ड की आदत: भारतीय स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को लगभग हर इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने की आदत सी हो गई है। नीरज चोपड़ा ने इंटरनेशनल लेवल पर साल 2016 से भारत का नाम रौशन करना शुरू कर दिया था। उस वक्त वह सिर्फ 19 साल थे। जिस उम्र में भारत के नौजवान अपने करियर के बारे में ज्यादा कुछ सोच नहीं पाते हैं। उस उम्र में नीरज ने भारत के लिए साउथ एशिआई खेलों में गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद से ही नीरज चोपड़ा ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार भारत के लिए बड़े इवेंट पर गोल्ड मेडल जीतते रहे। उनके करियर में साल 2021 में सबसे बड़ा मोड़ लिया। जब उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए इकलौता गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस मेडल ने करोड़ो भारतीय फैंस को ये उम्मीद दी कि भारत इन खेलों में भी अच्छा कर सकता है।

नीरज चोपड़ा ने अपने करियर में जीते ये खिताब: दक्षिण एशियाई खेल 2016 में गोल्ड, एशियन चैंपियनशिप 2017 में गोल्ड, कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में गोल्ड, एशियन गेम्स 2018 में गोल्ड, टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड, एशियन गेम्स 2022 में गोल्ड, डायमंड लीग 2022 में गोल्ड, विश्व चैंपियनशिप 2022 में रजत, विश्व चैंपियनशिप 2023 में गोल्ड, डायमंड लीग 2023 में रजत

ओलंपिक में कब शामिल हुआ जैवलिन: 708 बीसी में प्राचीन ओलंपिक खेलों में जैवलिन थ्रो को शामिल किया गया था लेकिन उस समय, जैवलिन एक स्टैंडअलोन खेल नहीं था बल्कि मल्टी-स्पोर्ट पेंटाथलॉन इवेंट का हिस्सा था। लेकिन साल 1908 में पहली बार लंदन ओलंपिक गेम्स में जैवलिन को आधुनिक यानी कि मॉडर्न ओलंपिक गेम्स का हिस्सा बनाया गया। महिलाओं के जैवलिन थ्रो की शुरुआत 1932 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हुई। वहीं भारत ने पहली बार इस इवेंट में साल 2021 में पहला मेडल जीता

पेरिस में तिरंगा लहराने के लिए भारतीय खिलाड़ी तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक 2024 शुरू होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। पूरी दुनिया के दिग्गज खिलाडी अब अपने देश के लिए मेडल जीतने की आखिरी तैयारी में लगे हैं। इस साल के ओलंपिक फ्रांस की राजधानी पेरिस में हो रहे हैं। खेलों का औपचारिक उद्घाटन 26 जुलाई से शुरू होगा, लेकिन इससे दो दिन पहले ही कुछ मुकाबले शुरू हो जाएंगे।

इस बीच भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर से भारत का तिरंगा पेरिस में लहराने के लिए तैयार हैं। इस बार जो सूचना अब आ रही है, उसके अनुसार कुल 117 एथलीट ओलंपिक में भारत का प्रतिधित्व करते हुए दिखाई देंगे। किस खेल में कितने खिलाड़ी होंगे, इसकी पूरी लिस्ट अब सामने आ चुकी है। जो आपको जरूर देखनी चाहिए। पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व 117 एथलीट करेंगे। खेल मंत्रालय की ओर से अंतिम दल को मंजूरी दे दी है। बताया गया है कि इसमें 140 सहायक कर्मचारी और अधिकारी भी शामिल हैं, जिनमें से 72 को यात्रा करने वाले खिलाड़ियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार की लागत पर मंजूरी दी गई है। इस बीच पता चला है कि इस फाइनल लिस्ट से गायब एकमात्र योग्य एथलीट शॉटपुट खिलाड़ी आभा खटुआ हैं।

शुभमन गिल भविष्य में साबित होंगे टीम इंडिया के बेहतर कप्तान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। टीम इंडिया ने 17 सालों के टी20 वर्ल्ड कप का ट्रॉफी जीती और रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम वर्ल्ड चैंपियन बन सकी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल मुकाबले के बाद रोहित शर्मा ने टी20 फॉर्मेट में अपने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान इस फॉर्मेट में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया। रोहित शर्मा के रिटायरमेंट से बाद सबसे बड़ा सवाल ये खड़ा हो गया कि अब इस फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी कौन करेगा।

गिल की कप्तानी में भारत ने जिम्बाब्वे को हराया: वर्ल्ड कप के ठीक बाद बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज के लिए एक युवा टीम को भेजा। जिसकी कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में थी। उस सीरीज को टीम इंडिया ने 4-1 से अपने नाम किया। इस दौरान गिल की कप्तानी की तारीफ भी की गई। हालांकि भारतीय टीम को सीरीज के पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन कुल मिलाकर गिल की कप्तानी ठीक नजर आई। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया कि क्या शुभमन गिल भविष्य में टीम इंडिया के बेहतर कप्तान साबित हो सकते हैं? इसको को लेकर लेकर इंडिया टीवी के खास पोल में फैंस से यही सवाल पूछा गया। इसपर फैंस ने अपनी राय रखी। आइए जानते हैं कि इंडिया टीवी के पोल पर लोगों ने क्या कहा?

शुभमन को लेकर फैंस की राय: इंडिया टीवी ने अपने वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से इस पोल के जरिए जब लोगों की राय जानना चाही, तो हजारों लोगों ने इस पर जवाब दिया। जिसमें से 45 फीसदी फैंस का मानना है कि शुभमन गिल भविष्य में टीम इंडिया के बेहतर कप्तान साबित हो सकते हैं। गिल ने पहली बार इंटरनेशनल लेवल पर किसी टीम की कप्तानी की और उनकी कप्तानी में टीम काफी संतुलित भी नजर आई। हालांकि 42 फीसदी फैंस का यह भी मानना है कि गिल आने वाले समय में टीम इंडिया के लिए बेहतर कप्तान साबित नहीं हो सकते हैं। दरअसल आईपीएल 2024 के दौरान गिल ने बतौर कप्तान बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया था। इस सवाल को लेकर 13 फीसदी फैंस के पास कोई जवाब नहीं था। ऐसे गिल को लेकर लगभग 50-50 का मामला नजर आ रहा है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए पाकिस्तान ने चली तगड़ी चाल

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट, इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की मेजबानी करनी है। ये तीनों टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का हिस्सा हैं। लेकिन अब इससे पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लेते हुए टोनी हेमिंग को दो साल के लिए मुख्य क्यूरेटर नियुक्त किया। उनका कार्यकाल दो साल का होगा। वह बुधवार को लाहौर पहुंचकर अपना पदभार संभालेंगे।

टोनी हेमिंग का सबसे पहला काम पाकिस्तान के आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मैचों के लिए पिचों को तैयार करना होगा। इन मैचों में पाकिस्तान का सामना अगस्त-सितंबर में बांग्लादेश और अक्टूबर में इंग्लैंड से होगा। हेमिंग आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भी पिच तैयारियों की देखरेख करेंगे, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान 19 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक करेगा। हेमिंग काफी अनुभवी क्यूरेटर हैं। उन्हें लगभग चार दशक का लंबा अनुभव है। वह ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न, पर्थ और तस्मानिया जैसे कई प्रतिष्ठित क्रिकेट मैदानों पर काम कर चुके हैं।

टल गया टीम इंडिया का सेलेक्शन, बड़े उलटफेर संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत बनाम श्रीलंका सीरीज का आगाज 27 जुलाई से होना है, लेकिन अभी तक इसके लिए टीम का ऐलान नहीं किया जा सका है। मंगलवार देर शाम खबर आई थी कि सभी सेलेक्टर्स बुधवार को मीटिंग करेंगे और इसके बाद भारतीय टीम का ऐलान इस सीरीज के लिए कर दिया जाएगा। ले?किन अब पता चला है कि आज भी सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग नहीं हो पाई। इस बीच खबर है कि सीरीज को लेकर कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। खास तौर पर टी20 के नए कप्तान को लेकर भी निर्णय लिया जाना बाकी है।

भारतीय टीम जल्द ही श्रीलंका दौरे पर रवाना होने वाली है। सीरीज में पहले तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे, इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी। सीरीज के शुरू होने में अब ज्यादा वक्त नहीं है, लेकिन टीम कौन सी होगी, कप्तान कौन होगा, इसका फैसला अभी तक नहीं हो पाया है। दरअसल भारत के लिहाज से ये बड़ी सीरीज होनी है। टीम इंडिया ने साल 2024 का टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया है और अब बीसीसीआई की कोशिश है कि साल 2026 में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए अभी से तैयारी की जाए। ऐसे में अभी से लेकर साल 2026 तक कप्तानी की जिम्मेदारी कौन संभालेगा, इसको लेकर पेंच फंसा हुआ है। पहले हार्दिक पांड्या का नाम चल रहा था, लेकिन इसके बाद अचानक से सूर्यकुमार यादव पिक्चर में आते हैं। पता चला है कि हार्दिक पांड्या इंजरी से जूझते रहते हैं, इसलिए सूर्यकुमार यादव पहली पसंद बनकर उभरे हैं। इसके साथ ही अगले साल फरवरी से लेकर मार्च तक चैंपियंस ट्रॉफी भी होनी है। इससे पहले टीम इंडिया को केवल 6 वनडे मुकाबले खेलने हैं। अभी श्रीलंका से तीन मुकाबले होंगे, इसके बाद इंग्लैंड से भी इतने ही वनडे मैच होने हैं। यानी तैयारी के लिए वक्त कम है। ऐसे में बीसीसीआई चाहता है कि सभी खिलाड़ी इस सीरीज में खेलें, ताकि तैयार हो सके। पहले रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह के रेस्ट की खबरें सामने आई थीं, लेकिन बाद में पता चला कि रोहित शर्मा की वापसी हो सकती है। यानी इस टीम में भी कुछ बड़े बदलाव देखने के लिए मिल सकते हैं। माना जा रहा है कि इसीलिए टीम के सेलेक्शन में भी देरी हो रही है।

यशस्वी जायसवाल का बड़ा धमाका, सूर्यकुमार यादव के करीब पहुंचा ये बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी की ओर से नई टी20 रैंकिंग जारी कर दी गई है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अभी भी पहले नंबर की कुर्सी पर काबिज नहीं हो पाए हैं। लेकिन अब बड़ी बात ये हुई है? कि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट सूर्या के बिल्कुल करीब पहुंच गए हैं। इनके बीच रेटिंग का कोई भी अंतर नहीं रह गया है, हालांकि रैंकिंग में जरूर सूर्यकुमार यादव साल्ट से आगे दिख रहे हैं। इस बीच भारत के स्टार बल्लेबाजों में शुमार हो चुके यशस्वी जायसवाल ने धमाल मचाया है, वे लंबी छलांग लगाने में कामयाब हुए हैं।

टी20 की लेटेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अभी भी नंबर एक की कुर्सी पर काबिज हैं। वे 844 की रेटिंग तक जा पहुंचे हैं। पिछले कुछ हफ्ते से वे पहले ही नंबर पर बने हुए हैं। इस बीच भारत के सूर्यकुमार यादव नंबर दो पर हैं और अब तो उनकी नंबर दो की कुर्सी पर भी खतरा दिख रहा है। टी20 की नई आईसीसी रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव 797 की रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इतनी ही रे?टिंग इंग्लैंड के फिल साल्ट की भी है। वे भी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। सूर्या को दरअसल नुकसान इसलिए हुआ है, क्योंकि वे जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज नहीं खेल रहे थे। लेकिन अब श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज में वे खेलते हुए नजर आएंगे, यानी उनके पास मौका होगा कि फिल साल्ट से ज्यादा रेटिंग लेकर वे अपनी नंबर दो की कुर्सी और पुख्ता करें, साथ ही ट्रेविस हेड के करीब पहुंचा जाए।

इन तीन टॉप 3 खिलाड़ियों के बाद की बात करें तो पाकिस्तान के बाबर आजम 755 की रेटिंग के साथ नंबर 4 पर बने हुए हैं। वहीं पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान 746 की रेटिंग के साथ नंबर 5 पर हैं। इनकी रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारत के यशस्वी जायसवाल ने रैंकिंग में लंबी छलांग मारी है। वे अब 743 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई अपनी पारियों की बदौलत उन्होंने चार स्थानों की छलांग मारने में कामयाबी हासिल की है।

किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बनाए गए ललित

बोले- किसानों के साथ सरकारी वादाखिलाफी के विरोध में लड़ेंगे हर लड़ाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेशभर में किसान सरकारी वादाखिलाफी और उपेक्षापपूर्ण रवैये के शिकार बनने को मजबूर हैं। चुनावी दौर में बड़ी-बड़ी बातें और लुभावने वादे करने वाली भाजपा सरकार में वापसी करते ही अपने घोषणा पत्र को भी भूल गई।

किसानों के हित में फैसले लेकर उन्हें राहत देने के बजाय उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी गईं, लेकिन इस स्थिति पर किसान कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी और हर जरूरी लड़ाई लड़ेगी।

किसान कांग्रेस के नवनियुक्त सतना जिलाध्यक्ष लालता प्रसाद द्विवेदी (ललित) ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसानों के हित मे लड़ाई का संकल्प व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लिया।

इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, शहर अध्यक्ष एडवोकेट मकसूद अहमद एवं कार्यकारी अध्यक्ष राजभान सिंह राज भी मौजूद रहे।

किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने कहा कि सतना जिले के कारीगोही में हुए उपार्जन घोटाले में वास्तविक किसानों के भुगतान फंसा दिए गए हैं। किसान अपनी फसल के पैसे के लिए परेशान हैं] लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही।

भाजपा ने एमएसपी पर गेहूं 2700 और धान 3100 में खरीदने का वादा किया था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। गांवों में ट्रांसफॉर्मर जले पड़े हैं, लेकिन उन्हें बदला नहीं जा रहा। बिजली भी कुछ घंटे ही सप्लाई की जा रही है।

खाद और बीज के लिए किसान परेशान है, लेकिन सरकार कोई व्यवस्था नहीं दे पा रही, जो व्यवस्था कृषि विभाग ने बनाई है, वह किसानों को भ्रमित करने वाली है। द्विवेदी ने कहा कि सतना जिले में डेढ़ दशक से अधिक समय से बरगी के पानी का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, लेकिन आज तक प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि सरकार को जगाया जाएगा और किसानों के हित में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने सरकार पर समूहों की आड़ में उपार्जन घोटाला कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- इसमें बड़े-बड़े नेता-अफसर भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि मप्र कांग्रेस के किसान एवं खेत-मजदूर विभाग ने सतना के किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के तौर पर लालता प्रसाद द्विवेदी ललित की नियुक्ति की है।

चित्रकूट की बगदरा घाटी में हादसा

ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से 2 की मौत, 35 घायल, मुंडन के लिए जा रहे थे लोग

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना-चित्रकूट स्टेट हाईवे पर बगदरा घाटी में बुधवार को हुए एक सड़क हादसे में बुजुर्ग महिला समेत 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 लोग घायल हो गए। घायलों को स–ुरु सेवा संघ अस्पताल और मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, बगदरा घाटी में बुधवार की दोपहर एक ट्रैक्टर ट्राली पलट जाने से महिला समेत 2 लोगों की मौत हो गई। दोनों ने दुर्घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में ट्राली सवार 35 लोग घायल हुए हैं।

मझगवां से 7 गंभीर घायलों को सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बताया जाता है कि ट्रैक्टर ट्राली में सवार लोग सभापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बड़खेरा और मचखड़ा के रहने वाले हैं। वे चित्रकूट में बच्चों का मुंडन कराने जा रहे थे।

समस्या निवारण शिविर आज मैहर जिले के पकरिया में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले में राजस्व एवं अन्य समस्त विभागों से संबंधित मैदानी स्तर पर लंबित कार्यों, शिकायतों एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए तीनों विकासखण्ड की क्लस्टर ग्राम पंचायतों में शिविर लगाये जायेंगे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मैहर श्रीमती रानी बाटड द्वारा जारी आदेशानुसार इन शिविरों के लिए संबंधित एसडीएम नोडल अधिकारी और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहायक नोडल अधिकारी होंगे।

कलेक्टर मैहर के आदेशानुसार क्लस्टर की ग्राम पंचायतों में लगने वाले शिविर में सम्मिलित ग्राम पंचायतों के ग्रामीण जन अपनी समस्यायें बता सकेंगे। शिविर में जिला स्तरीय और विकासखण्ड स्तरीय सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर अपने-अपने विभागों से संबंधित कार्य संपादित करेंगे। नोडल अधिकारी सभी विभागों से समन्वय कर शिविर में आने वाले आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करेंगे और रिकार्ड संधारित करेंगे। यह शिविर क्लस्टर मुख्यालय की ग्राम पंचायत के भवन में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित तिथि को आयोजित होंगे।

शिविर के निर्धारित कार्यक्रमानुसार मैहर तहसील में 18 जुलाई को पकरिया, 25 जुलाई को अमदरा, 1 अगस्त को कुसेड़ी, 8 अगस्त को पोड़ी, 15 अगस्त को गोबरी, 22 अगस्त को नादन शारदा प्रसाद, 29 अगस्त को तिलौरा, 5 सितंबर रिवारा, 12 सितंबर को सोनवारी, 19 सितंबर को बदेरा क्लस्टर पंचायत में शिविर आयोजित होंगे।

तहसील अमरपाटन में 19 जुलाई को परसवाही, 26 जुलाई को बेला, 2 अगस्त को रामगढ़, 9 अगस्त को ताला, 16 अगस्त को मौहारी कटरा तथा 26 अगस्त को लालपुर ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित होंगे।

इसी प्रकार रामनगर तहसील में 22 जुलाई को मूर्तिहाई, 29 जुलाई को जिगना, 5 अगस्त को गंगासागर, 12 अगस्त को गोरसरी तथा 2 सितंबर को बड़ाइटमा ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे।

मुड़ना नदी बचाओ अभियान समिति की बैठक संपन्न

नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए बनाई रणनीति, प्रशासन को फिर सौंपेंगे ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। मुड़ना नदी बचाओ अभियान समिति की बैठक कल्याणपुर बुधवार को हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश तिवारी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि मुड़ना नदी में विचारपुर कोल माइंस द्वारा प्रदूषित पानी लगातार फेंका जा रहा है, जिससे नदी अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। ऐसे में हम नागरिकों का कर्तव्य है कि नदी को नष्ट होने से बचाएं और इसके लिए गांधीवादी तरीके से सत्याग्रह करके लगातार मामले को उचित मंचों की ओर से उठाया जाएगा।

ज्ञापन के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई: बैठक में बताया गया कि अप्रैल माह में कलेक्टर के नाम संबोधित ज्ञापन इस समस्या को लेकर दिया जा चुका है लेकिन इस पर कोई भी प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई लगातार प्रदूषण जारी है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से भी इस ओर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

फिर से ज्ञापन देने की बनाई रणनीति: आगामी सप्ताह में कमिश्नर, कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा। ज्ञापन में जल गंगा संवर्धन संरक्षण की महत्वाकांक्षी योजना के तहत इस प्रदूषण को तत्काल रोका जाए। बैठक में राकेश कटारे, पूर्णेंद्र मिश्रा पार्षद, मनोज पाठक, राजा यादव पार्षद सहित अनेक युवा उपस्थित रहे।

120 नर्सिंग ऑफिसर्स का अटका वेतन

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की लेट लतीफी से अधिकारी और कर्मचारी परेशान, फिर दी आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। मेडिकल कॉलेज शहडोल में फैली भर्रेशाही इन दिनों अव्यवस्था का कारण बनी हुई है। प्रबंधन की लेट लतीफी से एक ओर जहां कर्मचारियों का वेतन समय से नहीं मिल पा रहा है, वहीं दूसरी ओर मेडिकल कॉलेज में रोजमर्रा की जरूरतें भी समय पर पूरी नहीं हो पा रही हैं। पिछले 2 महीने से मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग अफसरों का वेतन समय पर नहीं मिल पा रहा है। जिस कारण कर्मचारियों के बीच आक्रोश देखा जा रहा है।

ओटीपी नहीं देने से अटका वेतन: मेडिकल कॉलेज के कुछ स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में काम करने वाले नर्सिंग अफसरों का वेतन समय पर भुगतान हो चुका है। सिर्फ शहडोल मेडिकल कॉलेज में भुगतान समय पर नहीं हो पाता है। इसके पीछे वजह बताई जा रही है कि लेखा विभाग द्वारा जब मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से भुगतान के लिए ओटीपी मांगा जाता है तो उसे समय पर नहीं दिया जाता है।

ऑफिसर ने फिर डीन से की मुलाकात: आक्रोशित नर्सिंग ऑफिसर्स की ओर से एक बार फिर मेडिकल कॉलेज के डीन से अनौपचारिक मुलाकात की गई। इस दौरान सभी ने समय पर वेतन देने की मांग की। जिस पर डीन ने कहा कि जल्द ही सभी का वेतन समय पर होगा और जल्द ही इस व्यवस्था को सुधारा जाएगा।

व्यवस्था नहीं सुधरी तो करेंगे काम बंद: नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसियेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि यदि मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की ओर से वेतन भुगतान संबंधी व्यवस्था को नहीं सुधारा गया, तो नर्सिंग ऑफिसर्स काम बंद करके आंदोलन करेंगे। पिछले दो माह से लगातार वेतन को लेकर सभी कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है।

मुहर्रम पर सतना शहर में निकले ताजिये

घूमी मन्नत के शेर की सवारी, खेले गए अलाव-अखाड़े, जगह-जगह पिलाया गया शर्बत

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुस्लिम समाज का पर्व मुहर्रम बुधवार को सतना में पारंपरिक ढंग से मनाया गया। इस त्योहार पर शहीद इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने शहर में विविध आयोजन किए। शहर में जगहजगह ताजिए निकाले गए, शेर की सवारी घूमी और लंगर - शर्बत बांट कर लोगों ने सबाब हासिल किया। इसके पहले मंगलवार की रात इमामबाड़ों में अलाव- अखाड़े भी खेले गए। धर्मावलंबी जलते अंगारों पर चले और इमाम हुसैन की शहादत को याद किया।

मुहर्रम की दस तारीख यानी बुधवार को मुस्लिम बंधुओं ने कर्बला की जंग में शहीद पैगम्बर मोहम्मद के नाती इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। मुस्लिम धर्मावलंबियों के लिए बेहद खास माने-जाने वाले पर्व मुहर्रम पर इमामबाड़ों में पहुंच कर लोगों ने इबादत की। शहर के टिकुरिया टोला, खूंथी, नजीराबाद, बांस नाका, गढ़िया टोला आदि क्षेत्रों से ताजिए निकाले गए। सभी ताजिए भैंसाखाना बसीरन मोहल्ले पहुंचे।

त्योहार पर शहर में निकाली गई शेर की पारंपरिक सवारी हमेशा की तरह इस बार भी आकर्षण का केंद्र रही। जनाब अब्दुल कलाम के परिवार के सदस्य एवं सीनियर फोटो जर्नलिस्ट असलम खान एवं उनके भतीजे सैफ खान पारंपरिक रूप से शेर बने और शहादत को सजदा किया।

मन्नत के शेरों की सवारी झूमती निकली तो लोगों ने अपने नन्हें मुन्ने बच्चों को इन शेरों के हाथों में सौंप कर आशीर्वाद दिलवाया। झूमते - नाचते मन्नत के ये शेर छोटे बच्चों को अपनी गोद में उठाकर उन्हें हवा में उछालते और अपना आशीर्वाद देते आगे बढ़ते रहे।

शेरों की ये सवारी झूलेलाल मंदिर, कंपनी बाग समेत आसपास के मोहल्लों में घूमती हुई वापस बसीरन मोहल्ला पहुंची। यहां से ताजियों को लालता चौक, गांधी चौक, पन्नीलाल चौक से होते हुए रामना टोला स्थित कर्बला ले जा कर ठंडा किया गया। जगह-जगह लंगर बांटे गए और स्टॉल लगा कर शर्बत पिलाया गया। सतना शहर के अलावा मैहर, अमरपाटन, रामनगर, मझगवां, कोठी, बिरसिंहपुर, जैतवारा, उचेहरा में भी ताजिये निकाले गए। मैहर में किला चौक के पास झांकियां भी सजाई गईं।

मैहर जिले के फीडर अंतर्गत आज प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली आपूर्ति रहेगी बंद

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म0प्र0पू0क्षे0वि0वि0कं0लि0 ट्रांसमिशन कंपनी मैहर के कार्यपालन यंत्री पंकज शुक्ला ने बताया गया कि मैहर जिले में प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ट्रांसमिशन कंपनी मैहर के द्वारा अति उच्च दाब 220 केवी उपकेंद्र में अत्यावश्यक रख रखाव का कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। इस दौरान 220 केवी उपकेंद्र से निकलने वाले ग्रामीण क्षेत्र के 33 केवी फीडर की सप्लाई बाधित रहेगी। इनमें बदेरा, अमदरा, भरौली, पहाड़ी फीडर से सम्बंधित 33/11 केवी बदेरा, अजवाइन, झांझ गोरैया, धतूरा, भरौली, घुनवारा, अमदरा, सभागंज, पहाड़ी, 8 एमवी अमडा नाला उपकेंद्र से निकलने वाले सभी 11 केवी फीडर की सप्लाई बंद रहेगी। आवश्यकता अनुसार समयावधि कम अथवा अधिक भी की जा सकती है।

तीन को कारण बताओ नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले में स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष की डयूटी में गैरहाजिर रहने पर तीन कर्मचारियों को करणा बताओ नोटिस जारी की गई है। अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार विकासखण्ड समन्वयक मैहर दीपक पाण्डेय, सामाजिक अंकेक्षण मेघराज पयासी, भृत्य मोहन वर्मन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जारी नोटिस में 3 दिवस के अंदर समक्ष में उपस्थित होकर कारण बताओ नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये है। अन्यथा जवाब समय सीमा में प्रस्तुत न करने व समाधानकारक न पाये जाने की दशा में अथवा अनुपस्थित की दशा में संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी।

जिले में अब तक 173 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 17 जुलाई 2024 तक 173 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 338.9 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 128.3 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 152.4 मि.मी, बिरसिंहपुर में 169 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 82 मि.मी., नागौद में 180.5 मि.मी., जसो (नागौद) में 69.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 263 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 206.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

जिला उर्पाजन समिति की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला आपूर्ति अधिकारी मैहर द्वारा बताया गया कि धान खरीदी केन्द्र करूआ गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्र अमन इण्टरप्राइजेज तनाजा तहसील एवं जिला मैहर विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर विक्रय किये गये धान से सम्बन्धित किसानों को बकाया राशि दिलाये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही के लिये 18 जुलाई 2024 को अपरान्ह 3 बजे जिला उपार्जन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित किसानों को निर्धारित समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

मैहर जिले में अब तक 274.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से 17 जुलाई 2024 तक 274.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में 318 मि.मी., मैहर में 216.1 मि.मी. एवं रामनगर में 289.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 919.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 151.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

दिव्यांगजनों के लिए मेडीकल बोर्ड शिविर का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. व्हीके गौतम ने बताया कि मैहर जिले के सिविल अस्पताल में प्रति गुरूवार को प्रातः 10 बजे दोपहर 2 बजे तक दिव्यांगजनों के लिए विकलांग मेडिकल बोर्ड शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

स्वयं सेवी संस्थाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 एवं 19 को

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। आपदा प्रबंधन के अंतर्गत विद्यमान आपदा जोखिम क्षेत्र और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विभिन्न हितधारकों की भूमिका को देखते हुए दो नवीन परियोजनाओं की शुरूआत की गई है। दोनों परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 18 एवं 19 जुलाई को जिला पंचायत सतना के सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने उप संचालक सामाजिक न्याय, जिला कार्यर्र म अधिकारी महिला बाल विकास, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद को जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यर्र म में उनके विभाग से मान्यता प्राप्त 25-25 स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को उपस्थित कराने के निर्देश दिये हैं। कार्यशाला प्रातः 11 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में प्रारंभ होगी। जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड को भी प्रशिक्षण में उपस्थित रहने को कहा गया है। आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल गृह विभाग म.प्र. शासन के निर्देशन में एवं जिला प्रशासन सतना एवं यूनिसेफमध्यप्रदेश के समन्वय से 18 एवं 19 जुलाई 2024 (दो दिवसीय) आपदा प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें जिला स्तर पर कार्यरत स्वयं सेवी संस्थाएं प्रतिभागी होंगी। दो दिवसीय प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005, आपदा प्रबंधन नीति-2009, आगजनी प्रबंधन, भूकंप आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा-सी.पी.आर., सर्प-दंश, आकाशीय बिजली से बचाव, आपदा के पश्चात पड़ने वाले मनोसामाजिक प्रभाव एवं उपाय आदि के बारे में जानकारी दी जायेगी।

प्रशिक्षण के उपरांत सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेगे। यह प्रशिक्षण संयुक्त संचालक आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल गृह डॉ.जॉर्ज व्ही.जोसेफके नेतृत्व में आयोजित किया जायेगा।

हर बूथ पर कार्यकर्ताओं की मेहनत से जीत का नया इतिहास बना : जनार्दन मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत पर विधानसभा वार कार्यकर्ताओं का अभिनंदन समारोह आयोजित कर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया जा रहा है इसी क्रम में मनिगमा विधानसभा के कार्यकर्ताओं का अभिनंदन समारोह सरस्वती विद्यालय मांगना में आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्राजुला ने महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने किया अभिनंदन समारोह में मनिगमा विधानसभा क्षेत्र के हर मतदान केंद्र के कार्यकर्ताओं के साथ वरिष्ठ नेता भी आमंत्रित किए गए थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683 प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।